website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 57 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

बोइंग 787 में फ्यूल कंट्रोल स्विच विवाद:

-ब्रिटेन की CAA ने एअर इंडिया से मांगा जवाब, उड़ान मंजूरी पर उठे सवाल

नई दिल्ली । ब्रिटेन की सिविल एविएशन अथॉरिटी (CAA) ने एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में सामने आई तकनीकी गड़बड़ी के मामले को गंभीरता से लेते हुए एयरलाइन से एक हफ्ते के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। मामला लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से बेंगलुरु आई एक उड़ान से जुड़ा है, जिसमें फ्यूल कंट्रोल स्विच (Fuel Control Switch–FCS) में संभावित खराबी की सूचना मिली थी। इस घटना के बाद विमानन सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर रविवार को लंदन से बेंगलुरु के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन लैंडिंग के समय पायलट ने फ्यूल कंट्रोल स्विच में संभावित तकनीकी समस्या की रिपोर्ट दी। बेंगलुरु पहुंचते ही विमान को एहतियात के तौर पर ग्राउंड कर दिया गया और उसकी विस्तृत तकनीकी जांच शुरू कर दी गई। उस समय विमान में करीब 200 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित उतार लिए गए। इस घटना के बाद ब्रिटेन की CAA ने सख्त रुख अपनाया है। अथॉरिटी ने एअर इंडिया को भेजे नोटिस में पूछा है कि जब फ्यूल कंट्रोल स्विच में समस्या के संकेत थे, तो विमान को लंदन से उड़ान भरने की अनुमति कैसे दी गई। CAA ने यह भी साफ किया है कि यदि एअर इंडिया की तरफ से संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो एयरलाइन और उसके बोइंग 787 बेड़े के खिलाफ नियामकीय कार्रवाई की जा सकती है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय एविएशन सेफ्टी नियमों के तहत उठाया गया है। एअर इंडिया ने इस पूरे मामले पर अपनी सफाई भी पेश की है। एयरलाइन का कहना है कि उसने अपने सभी ऑपरेशनल बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की एहतियाती जांच पूरी कर ली है और किसी भी विमान में कोई तकनीकी खामी नहीं पाई गई। कंपनी के अनुसार, सुरक्षा उसके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है और सभी विमानों का नियमित मेंटेनेंस तय मानकों के मुताबिक किया जाता है। वहीं भारत के विमानन नियामक DGCA (नागर विमानन महानिदेशालय) ने भी मामले की शुरुआती जांच की है। DGCA की प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आया कि फ्यूल कंट्रोल स्विच के संचालन के दौरान "अपेरेंटली करेक्ट प्रोसिजर" यानी सही ऑपरेटिंग प्रक्रिया का पूरी तरह पालन नहीं हुआ। इसका मतलब यह संकेत देता है कि तकनीकी खराबी से ज्यादा यह मामला ऑपरेशन या हैंडलिंग से जुड़ा हो सकता है। DGCA ने एअर इंडिया को निर्देश दिए हैं कि सभी पायलट और क्रू मेंबर्स को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर का सख्ती से पालन करवाया जाए और जरूरत पड़ने पर दोबारा ट्रेनिंग भी दी जाए। यह मामला इसलिए और ज्यादा संवेदनशील हो गया है क्योंकि पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हादसे का शिकार हो गया था। उस भीषण क्रैश में 260 लोगों की जान गई थी। उस दुर्घटना की शुरुआती जांच रिपोर्ट में कहा गया था कि टेक-ऑफ के तुरंत बाद विमान की ईंधन सप्लाई बंद हो गई थी, जिससे इंजन फेल हो गए और विमान गिर गया। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि क्रैश से ठीक पहले फ्यूल कंट्रोल स्विच बंद कर दिए गए थे। यह खुलासा काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि फ्यूल स्विच विमान के इंजन को ईंधन सप्लाई देने का सबसे अहम कंट्रोल होता है। इसके बंद होते ही इंजन बंद हो सकता है। इस रिपोर्ट के बाद DGCA ने 12 जुलाई 2025 को सभी एयरलाइनों को निर्देश जारी कर अपने-अपने विमानों में फ्यूल स्विच सिस्टम की अनिवार्य जांच करने को कहा था। मौजूदा लंदन-बेंगलुरु उड़ान वाले मामले ने एक बार फिर बोइंग 787 विमानों की ऑपरेशनल सेफ्टी और क्रू प्रोसिजर पर बहस छेड़ दी है। हालांकि अब तक एअर इंडिया ने तकनीकी खराबी से इनकार किया है, लेकिन ब्रिटिश CAA और भारतीय DGCA दोनों इस मामले को गहराई से देख रहे हैं।

UPSC सिविल सेवा 2026: सेवा में रहते बार-बार परीक्षा पर रोक, रैंक सुधार का मौका सिर्फ एक बार

नई दिल्ली । संघ लोकसेवा आयोग (UPSC) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए नया नोटिफिकेशन जारी करते हुए चयन और प्रयास (attempt) से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इस बार आयोग ने 933 पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकाला है और आवेदन की आख़िरी तारीख 24 फरवरी तय की गई है। सबसे अहम बदलाव यह है कि अब सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देकर रैंक सुधारने का रास्ता लगभग बंद कर दिया गया है। नए नियम 2026 से लागू होंगे। नए प्रावधान के मुताबिक यदि कोई अभ्यर्थी सिविल सेवा परीक्षा 2026 में चयनित होकर ग्रुप-A सेवा या IPS हासिल करता है, तो उसे रैंक सुधारने के लिए केवल एक ही अतिरिक्त मौका मिलेगा। यानी वह सिर्फ अगली परीक्षा (CSE-2027) में दोबारा बैठ सकेगा। इसके बाद अगर वह फिर से परीक्षा देना चाहता है, तो उसे अपनी मौजूदा सेवा से इस्तीफा देना अनिवार्य होगा। हालांकि IAS और IFS के मामले में पुराने नियम ही लागू रहेंगे। इन सेवाओं को लेकर पहले जैसी व्यवस्था जारी रहेगी और इन पर नए प्रतिबंध लागू नहीं किए गए हैं। लेकिन IPS और अन्य ग्रुप-A सेवाओं के लिए नियम सख्त कर दिए गए हैं, ताकि चयन के बाद बार-बार परीक्षा देकर सेवा बदलने या रैंक सुधारने की प्रवृत्ति को रोका जा सके। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि जो उम्मीदवार पहले से IPS में चयनित या नियुक्त हैं, वे CSE-2026 से दोबारा IPS नहीं पा सकेंगे। यानी एक बार IPS मिलने के बाद उसी सेवा के लिए फिर से चयन संभव नहीं होगा। इसी तरह यदि कोई उम्मीदवार प्रीलिम्स पास करने के बाद लेकिन मेन्स परीक्षा से पहले IAS या IFS में चयनित हो जाता है, तो उसे मेन्स परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि रैंक सुधार का एकमात्र मौका भी कुछ शर्तों के साथ मिलेगा। यह मौका तभी दिया जाएगा जब उम्मीदवार को "वन टाइम एग्जेम्प्शन" यानी ट्रेनिंग जॉइन न करने की एक बार की छूट मिले। यह छूट सिर्फ फाउंडेशन कोर्स तक सीमित रहेगी। अगर उम्मीदवार न तो ट्रेनिंग जॉइन करता है और न ही यह छूट लेता है, तो CSE-2026 और CSE-2027 — दोनों के आधार पर मिली सेवा अपने आप रद्द मानी जाएगी। इसके अलावा, CSE-2026 से चयनित उम्मीदवार अगर CSE-2027 में बैठना चाहते हैं, तो उन्हें बाकायदा अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। वहीं CSE-2028 या उसके बाद की किसी भी परीक्षा में बैठने के लिए पहले सेवा से इस्तीफा देना जरूरी होगा। परीक्षा प्रक्रिया में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल भी बढ़ाया गया है। अब परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य होगा। यानी डिजिटल पहचान सत्यापन के बाद ही एंट्री मिलेगी, जिससे फर्जीवाड़ा और प्रतिरूपण (impersonation) पर रोक लगेगी।

₹40 हजार करोड़ बैंक फ्रॉड केस: सुप्रीम कोर्ट सख्त, अनिल अंबानी बिना इजाजत देश नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (ADAG) से जुड़े करीब ₹40 हजार करोड़ के कथित बैंक फ्रॉड मामले में सुनवाई करते हुए जांच एजेंसियों CBI और ED को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने साफ कहा कि जांच में हुई देरी को लेकर एजेंसियां संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं और अब आगे किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट ने दोनों एजेंसियों को चार हफ्ते के भीतर ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। यह मामला एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया, जिसमें पूर्व आईएएस अधिकारी ईएएस सरमा ने आशंका जताई थी कि अनिल अंबानी देश छोड़ सकते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड में लिया कि अनिल अंबानी अदालत की पूर्व अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेंगे। अनिल अंबानी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि उनके मुवक्किल जांच में पूरा सहयोग करेंगे और बिना इजाजत विदेश नहीं जाएंगे। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि मामला बड़ी रकम से जुड़ा है और जांच एजेंसियों को गंभीरता और तेजी से काम करना चाहिए था। अदालत ने यह भी कहा कि जब आरोप इतने बड़े पैमाने पर सायफनिंग (धन को गलत तरीके से निकालने) के हैं, तो जांच में सुस्ती समझ से परे है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अनिल अंबानी के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा चुका है। ED का दावा है कि समूह की कंपनियों के जरिए करीब ₹40 हजार करोड़ की रकम सायफन की गई। एजेंसी के अनुसार अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) ₹20 हजार करोड़ से ज्यादा आंकी गई है। ED अब तक लगभग ₹8,078 करोड़ की संपत्ति को अस्थायी तौर पर अटैच भी कर चुकी है। दूसरी ओर अनिल अंबानी की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह मामला कारोबारी घाटे और कर्ज चूक (लोन डिफॉल्ट) से जुड़ा है, जिसे आपराधिक केस का रूप नहीं दिया जाना चाहिए। बचाव पक्ष ने दलील दी कि रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने मिलकर करीब ₹20 हजार करोड़ की रकम चुका भी दी है। उनका कहना है कि बिजनेस फेल होना या कर्ज न चुका पाना अपने आप में धोखाधड़ी साबित नहीं करता। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 23 जनवरी को भी इस मामले में CBI और ED को सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था और अनिल अंबानी व ADAG से जवाब मांगा था।

अमेरिका के साथ परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता समाप्त

-रूस ने दिए अगले कदम खुद तय करने के संकेत

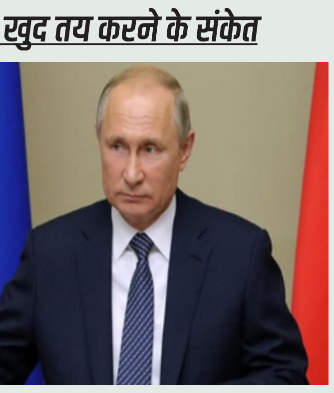

नई दिल्ली । रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अब रूस और अमेरिका के बीच हुए न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी यानी न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़ी कोई बाध्यता दोनों देशों पर नहीं रह गई है। मंत्रालय का मानना है कि समझौते की अवधि खत्म होने के बाद अब दोनों पक्ष इसके नियमों को मानने के लिए मजबूर नहीं हैं।

यह समझौता 5 फरवरी को खत्म-

रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि परमाणु हथियारों की तय सीमा को समझौते की समाप्ति के बाद भी स्वेच्छा से बनाए रखने के रूस के प्रस्ताव पर अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक और साफ जवाब नहीं मिला है। यह समझौता 5 फरवरी को खत्म हो चुका है।

अब दोनों देश अपने अगले कदम खुद तय करने के लिए स्वतंत्र-

मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा हालात में रूस यह मानता है कि न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़े सभी पक्ष अब इस समझौते की शर्तों और आपसी घोषणाओं से मुक्त हो चुके हैं। इसमें समझौते के मुख्य नियम भी शामिल हैं। अब दोनों देश अपने अगले कदम खुद तय करने के लिए स्वतंत्र हैं।

राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के लिए तैयार रूस-

रूस ने यह भी कहा कि यदि उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी नए खतरे का सामना करना पड़ा, तो वह उससे निपटने के लिए कड़े सैन्य और तकनीकी कदम उठाने के लिए तैयार है। समाचार एंजेसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि अगर सही हालात बनते हैं तो रूस रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के लिए भी तैयार है।

सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी पांच दिवसीय भारत दौरे पर, राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष

नई दिल्ली । सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी गुरुवार से भारत के पांच दिवसीय राजकीय दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति हर्मिनी का यह भारत का पहला आधिकारिक दौरा है, जो उन्होंने पिछले वर्ष अक्टूबर में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद किया है। उनका यह दौरा 10 फरवरी तक चलेगा। भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे और पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों में भारत-सेशेल्स के संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा होगी। राष्ट्रपति हर्मिनी की यह यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर यह दौरा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती देने वाला माना जा रहा है। भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति हर्मिनी चेन्नई और मुंबई भी जाएंगे, जहां वे विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस यात्रा से भारत और सेशेल्स के बीच व्यापक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक अहम समुद्री पड़ोसी है और भारत की 'विजन महासागर' तथा ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में उसका विशेष स्थान है।" विदेश मंत्रालय के बयान में यह भी कहा गया कि राष्ट्रपति हर्मिनी की यह यात्रा, अक्टूबर 2025 में भारत के उपराष्ट्रपति की सेशेल्स यात्रा के बाद हो रही है, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग और लोगों के बीच संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। बता दें कि पैट्रिक हर्मिनी ने अक्टूबर 2025 में यूनिटी स्टेडियम में आयोजित एक राष्ट्रीय समारोह में सेशेल्स के छठे राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। इस समारोह में भारत की ओर से उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भाग लिया था। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने विक्टोरिया स्थित स्टेट हाउस में राष्ट्रपति हर्मिनी से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की थी। उन्होंने भारत सरकार और भारत की जनता की ओर से राष्ट्रपति हर्मिनी को पदभार संभालने पर शुभकामनाएं भी दी थीं। दोनों नेताओं ने हिंद महासागर क्षेत्र और ग्लोबल साउथ में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा दृष्टिकोण को दोहराया था। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्ले से भी मुलाकात की थी, जिसमें भारत-सेशेल्स संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते साझा विरासत, संस्कृति और मजबूत जन-जन के संपर्क पर आधारित हैं।

वॉशिंगटन पोस्ट में बड़ी छंटनी:

-शशि थरूर के बेटे ईशान थरूर समेत 300 कर्मचारी निकाले, स्पोर्ट्स सेक्शन बंद

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार वॉशिंगटन पोस्ट में बड़े पैमाने पर छंटनी की गई है। कंपनी ने करीब 300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इस छंटनी में अंतरराष्ट्रीय मामलों के वरिष्ठ कॉलमिस्ट ईशान थरूर भी शामिल हैं, जो कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बेटे हैं। ईशान थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि करते हुए इसे न्यूज़रूम के लिए बेहद दुखद दिन बताया। रिपोर्ट के मुताबिक अखबार पिछले कई सालों से घाटे में चल रहा था। इसी वजह से मैनेजमेंट ने लगभग 30 प्रतिशत स्टाफ कम करने का फैसला लिया। न्यूज़रूम में काम कर रहे करीब 800 पत्रकारों में से 300 से ज्यादा लोग इस फैसले से प्रभावित हुए हैं। कंपनी के मालिक अमेज़न के संस्थापक जेफ बेजोस हैं, लेकिन इसके बावजूद अखबार को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। छंटनी के साथ-साथ वॉशिंगटन पोस्ट ने अपने कई सेक्शन भी बंद या सीमित करने का फैसला किया है। स्पोर्ट्स सेक्शन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। हालांकि कुछ रिपोर्टर्स को फीचर्स डिपार्टमेंट में शिफ्ट कर स्पोर्ट्स से जुड़ी कल्चर और खास रिपोर्टिंग जारी रखने की योजना है। इसके अलावा बुक्स सेक्शन बंद होगा और डेली न्यूज पॉडकास्ट 'पोस्ट रिपोर्ट्स' भी खत्म किया जाएगा। लोकल न्यूज कवरेज को भी छोटा किया जा रहा है। अखबार के एग्जीक्यूटिव एडिटर मैट मरे ने स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि यह फैसला दर्दनाक जरूर है, लेकिन वक्त की जरूरत है।

डोभाल की बैकडोर डिप्लोमेसी से अमेरिकी ट्रेड डील की पहल

-भारत ने कहा— दबाव में नहीं झुकेंगे

नई दिल्ली । भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर एक नई कूटनीतिक हलचल की खबर सामने आई है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजित डोभाल ने वॉशिंगटन में बैकडोर बातचीत के जरिए ट्रेड डील को लेकर जमी बर्फ पिघलाने की कोशिश की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक मुद्दों पर तनाव की चर्चा चल रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, डोभाल ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात कर साफ संदेश दिया कि भारत रिश्तों को टकराव की दिशा में नहीं ले जाना चाहता, बल्कि बातचीत और समझौते के रास्ते को तरजीह देता है। उन्होंने कहा कि भारत ट्रेड डील पर नई शुरुआत के लिए तैयार है, लेकिन किसी भी तरह के दबाव में झुकने वाला नहीं है। यह भी बताया गया कि भारत अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों से समझौता किए बिना आगे बढ़ना चाहता है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बातचीत के दौरान यह भी संकेत दिया गया कि अगर अमेरिकी नेतृत्व सख्त रुख अपनाता है, तो भारत जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करेगा और हालात के अनुकूल होने का इंतजार भी कर सकता है। भारत का रुख यह रहा है कि वह लंबी अवधि के हितों को ध्यान में रखकर कूटनीतिक फैसले लेता है। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन दौरे के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर 31 घंटे बाद खुला जाम:

-गैस टैंकर पलटने से 25 किमी लंबी कतारें, डेढ़ लाख लोग फंसे

मुंबई/पुणे । मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर खंडाला घाट सेक्शन में गैस टैंकर पलटने की घटना के बाद लगा भीषण ट्रैफिक जाम आखिरकार करीब 31 घंटे बाद खुल गया। यह जाम 3 फरवरी की शाम से शुरू हुआ था, जिसने हजारों यात्रियों को लंबी परेशानी में डाल दिया। गुरुवार सुबह स्थिति सामान्य होने लगी और फंसे हुए वाहनों को धीरे-धीरे निकाला गया। प्रशासन और राहत एजेंसियों की लगातार कोशिशों के बाद यातायात फिर से चालू हो सका। जानकारी के मुताबिक, 3 फरवरी की शाम करीब 5 बजे अडोशी टनल के पास एक गैस टैंकर पलट गया था। टैंकर में प्रोपाइलीन गैस भरी हुई थी, जो रिसने लगी। गैस लीक होने की वजह से बड़ा खतरा पैदा हो गया, क्योंकि यह ज्वलनशील गैस होती है और थोड़ी सी चिंगारी भी बड़ा हादसा करा सकती है। सुरक्षा को देखते हुए एक्सप्रेसवे के कई हिस्सों को तुरंत बंद कर दिया गया। इसके चलते मुंबई और पुणे के बीच चलने वाला भारी ट्रैफिक रुक गया। देखते ही देखते एक्सप्रेसवे पर वाहनों की करीब 25 किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। अनुमान है कि करीब डेढ़ लाख से ज्यादा लोग अलग-अलग वाहनों में फंस गए थे। कई परिवार, बच्चे, बुजुर्ग और कामकाजी लोग घंटों तक सड़क पर ही अटके रहे। जाम में फंसे लोगों को खाने-पीने का सामान, पानी और टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा। रात भर लोग अपनी गाड़ियों में ही इंतजार करते रहे। इस लंबे जाम में कई खास लोग भी फंसे रहे। उद्योगपति और पिनैकल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. सुधीर मेहता भी करीब आठ घंटे तक एक्सप्रेसवे पर जाम में अटके रहे। बाद में उन्हें हेलिकॉप्टर के जरिए पुणे पहुंचाया गया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर हेलिकॉप्टर से ली गई जाम की तस्वीर भी शेयर की, जो काफी वायरल हुई। गैस रिसाव की गंभीरता को देखते हुए मौके पर NDRF, SDRF और भारत पेट्रोलियम (BPCL) की विशेषज्ञ टीमें तैनात की गईं। सबसे पहले इलाके को सुरक्षित किया गया, फिर टैंकर में भरी प्रोपाइलीन गैस को दूसरे टैंकरों में ट्रांसफर करने का काम शुरू हुआ। यह प्रक्रिया काफी सावधानी और तकनीकी निगरानी में की गई, ताकि कोई विस्फोट या आग की घटना न हो। गैस पूरी तरह ट्रांसफर होने के बाद क्षतिग्रस्त टैंकर को रास्ते से हटाया गया। महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (MSRDC) ने बताया कि सुरक्षा कारणों से पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। ट्रैफिक को पुराने मुंबई-पुणे हाईवे की ओर डायवर्ट किया गया, लेकिन वहां भी वाहनों का दबाव बढ़ गया। कुछ समय के लिए पुणे लेन से मुंबई की ओर गाड़ियों को 15–20 मिनट के ब्लॉक में छोड़ा गया, ताकि फंसे लोगों को राहत मिल सके। हालांकि गैस लीक जारी रहने से जाम पूरी तरह खत्म होने में काफी समय लग गया। स्थिति को देखते हुए एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली भी अस्थायी रूप से रोक दी गई थी। MSRDC ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है, इसलिए टोल निलंबित करने का फैसला लिया गया। जाम का असर बस सेवाओं पर भी पड़ा। महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (MSRTC) की 160 से ज्यादा बसें अलग-अलग जगहों पर फंस गईं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बच्चों की मोबाइल गतिविधियों पर अभिभावक रखें पैनी नज़र

डिजिटल दौर ने बच्चों की दुनिया को पहले से ज्यादा आसान, तेज और जुड़ी हुई बना दिया है, लेकिन इसके साथ कई नई परेशानियां भी खड़ी हो गई हैं। मोबाइल फोन, टैबलेट और इंटरनेट आज पढ़ाई, जानकारी और मनोरंजन के जरूरी साधन बन चुके हैं, मगर जब इनका इस्तेमाल बिना सीमा और निगरानी के होता है तो यही सुविधा खतरे का कारण बन जाती है। ऐसे माहौल में अभिभावकों की जिम्मेदारी सिर्फ बच्चों को मोबाइल दिलाने तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि उनकी डिजिटल गतिविधियों पर पैनी नजर रखना भी उतना ही जरूरी हो जाता है। आजकल यह साफ देखा जा रहा है कि जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम बच्चों के स्वभाव और सेहत दोनों पर असर डाल रहा है। कई बच्चे घंटों मोबाइल पर गेम खेलते या सोशल मीडिया पर लगे रहते हैं, जिससे उनमें चिड़चिड़ापन, गुस्सा, ध्यान की कमी और नींद की गड़बड़ी जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। वे घर-परिवार की बातचीत से कटने लगते हैं और असली दुनिया की बजाय वर्चुअल दुनिया में ज्यादा दिलचस्पी लेने लगते हैं। इसका सीधा असर उनके जज्बाती और सामाजिक विकास पर पड़ता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ लगातार कह रहे हैं कि बच्चों के मोबाइल उपयोग के लिए समय सीमा तय होना बहुत जरूरी है। हाल के वर्षों में कुछ ऐसी दुखद घटनाएं भी सामने आई हैं, जहां बच्चों में गेम या ऑनलाइन कंटेंट की लत ने गंभीर मानसिक दबाव पैदा किया। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को हिला दिया। शुरुआती रिपोर्टों में ऑनलाइन गेम की लत को एक संभावित कारण बताया गया। ऐसे मामले हमें आगाह करते हैं कि डिजिटल लत को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हालांकि हर घटना के पीछे कई वजहें होती हैं, फिर भी यह साफ है कि अनियंत्रित डिजिटल उपयोग बच्चों को मानसिक रूप से कमजोर कर सकता है। माता-पिता के लिए जरूरी है कि वे बच्चों के मोबाइल उपयोग के नियम पहले से तय करें। कितने समय तक मोबाइल चलेगा, किस काम के लिए चलेगा और कब बिल्कुल नहीं चलेगा, यह साफ होना चाहिए। आज कई पेरेंटल कंट्रोल टूल और ऐप मौजूद हैं जिनकी मदद से स्क्रीन टाइम सीमित किया जा सकता है और यह भी देखा जा सकता है कि बच्चा किस तरह का कंटेंट देख रहा है। लेकिन सिर्फ तकनीकी रोक लगाना काफी नहीं है। असली जरूरत भरोसे और बातचीत की है। अगर बच्चे से खुलकर बात की जाए, उसकी ऑनलाइन दुनिया को समझा जाए और उसे सही-गलत का फर्क प्यार से बताया जाए, तो वह ज्यादा बेहतर तरीके से सीखता है। सिर्फ डांटना, डराना या मोबाइल छीन लेना अक्सर उल्टा असर करता है। बच्चे छिपकर इस्तेमाल करने लगते हैं। बेहतर है कि उन्हें समझाया जाए कि कौन सा कंटेंट नुकसानदेह हो सकता है और क्यों। मोबाइल से दूरी बनाने का सबसे अच्छा तरीका है बेहतर और दिलचस्प विकल्प देना। आउटडोर खेल, किताब पढ़ना, ड्रॉइंग, संगीत, साइंस एक्टिविटी और परिवार के साथ समय बिताना बच्चों को संतुलित बनाता है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता: संतुलित कूटनीति, रणनीतिक साझेदारी और बदलते वैश्विक शक्ति समीकरणों के बीच नई दिशा

-टैरिफ तनाव से सहयोग तक, संवाद आधारित नीति ने बदले अंतरराष्ट्रीय व्यापार और राजनीति के रिश्ते

हाल के समय में भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापारिक समझौते ने केवल दो देशों के आर्थिक रिश्तों को ही नहीं बदला, बल्कि वैश्विक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के समीकरणों को भी एक नई दिशा दी है। यह समझौता उस दौर में सामने आया है जब दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है, शक्ति संतुलन बदल रहा है और आर्थिक साझेदारियां रणनीतिक संबंधों का आधार बनती जा रही हैं। ऐसे समय में भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती नजदीकी और व्यापारिक सहमति वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण संकेत मानी जा रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहचान एक आक्रामक आर्थिक राष्ट्रवादी नेता के रूप में रही है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आयात शुल्क (टैरिफ) को एक मजबूत हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। उनकी नीति साफ थी — जो देश अमेरिका के व्यापारिक हितों के अनुरूप नहीं चलेगा, उस पर शुल्क बढ़ाकर दबाव बनाया जाएगा। चीन के साथ उनका व्यापार युद्ध पूरी दुनिया ने देखा। इसी कड़ी में भारत भी उनके निशाने पर आया। भारत पर ऊंचे आयात शुल्क लगाने, अमेरिकी कंपनियों को पर्याप्त अवसर न देने और बाजार में बाधाएं खड़ी करने के आरोप लगाए गए। इसी सोच के तहत भारत को विशेष व्यापारिक सुविधा (GSP) की सूची से बाहर कर दिया गया। इसका असर सीधे भारतीय निर्यातकों पर पड़ा। दवा, वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान, रत्न-आभूषण और कृषि उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ा। इससे भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर हुई और निर्यात महंगा पड़ने लगा। यह भारत के लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि अमेरिका उसका प्रमुख निर्यात गंतव्य रहा है। लेकिन भारत ने इस स्थिति को केवल दबाव के रूप में स्वीकार नहीं किया। उसने अपने हितों की हिफाजत के लिए जवाबी कदम भी उठाए। अमेरिका से आने वाले कई उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाया गया। खास तौर पर कृषि उत्पाद — जैसे बादाम, सेब, अखरोट — पर लगाए गए करों ने अमेरिकी किसानों और निर्यातकों को प्रभावित किया। यह कदम केवल आर्थिक जवाब नहीं था, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी था कि भारत अब निष्क्रिय दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और आत्मविश्वासी आर्थिक शक्ति है। फिर भी भारत ने टकराव की नीति नहीं अपनाई। उसने बातचीत के रास्ते खुले रखे। यही उसकी कूटनीति की असली ताकत रही। भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र पिछले कुछ वर्षों में "रणनीतिक संतुलन" और "व्यावहारिक साझेदारी" रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह कोशिश की कि किसी भी बड़े देश के साथ रिश्ते टकराव की जगह सहयोग पर आधारित हों — लेकिन राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना। भारत ने अमेरिका के साथ केवल व्यापार नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोग को भी मजबूत किया। रक्षा, सुरक्षा, इंडो-पैसिफिक रणनीति, तकनीक, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाई गई। अमेरिका की बड़ी टेक और मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजनाओं के जरिए उद्योगों को आकर्षित किया गया। कारोबारी माहौल सुधारने, नियमों को आसान बनाने और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इन सबका असर धीरे-धीरे दिखाई दिया। अमेरिका के नीति निर्माताओं और उद्योग जगत ने महसूस किया कि भारत केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदार बन सकता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (ग्लोबल सप्लाई चेन) में विविधता लाने की अमेरिकी रणनीति में भी भारत एक स्वाभाविक विकल्प के रूप में उभरा। चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की कोशिशों ने भी भारत की अहमियत बढ़ाई। व्यापारिक समझौते के तहत दोनों देशों ने कुछ अहम क्षेत्रों में राहत देने पर सहमति जताई। अमेरिका ने भारतीय इस्पात, एल्यूमीनियम, दवा और कपड़ा उद्योग को राहत देने के संकेत दिए, जबकि भारत ने कुछ कृषि और औद्योगिक उत्पादों पर शुल्क कम करने की इच्छा जताई। यह "दोनों के फायदे" वाला मॉडल है, जिसमें किसी एक पक्ष की जीत नहीं, बल्कि साझा लाभ को प्राथमिकता दी गई है। भारतीय दवा उद्योग के लिए यह समझौता खास मायने रखता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े जेनेरिक दवा उत्पादकों में है। अमेरिकी बाजार में भारतीय दवाइयों की मांग लगातार बढ़ रही है क्योंकि वे सस्ती और असरदार मानी जाती हैं। शुल्क में राहत और नियामकीय सहयोग से इस क्षेत्र को बड़ा फायदा मिल सकता है। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा बल्कि रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग में भी नए निवेश आएंगे। इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा रणनीतिक पहलू भी है — भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति। एक तरफ वह अमेरिका के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है, तो दूसरी तरफ रूस के साथ भी अपने पारंपरिक संबंध बनाए हुए है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, तब भी भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए रूस से सस्ता तेल खरीदना जारी रखा। इससे भारत को ऊर्जा सुरक्षा मिली और आयात बिल में बड़ी बचत हुई। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने इस पर असहमति जताई, लेकिन भारत पर कठोर प्रतिबंध नहीं लगाए गए। इसका कारण यह भी है कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था और रणनीतिक ढांचे में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उसे अलग-थलग करना किसी के हित में नहीं। रूस ने भी साफ कहा कि भारत उसके लिए एक भरोसेमंद और दीर्घकालिक साझेदार है। रक्षा सौदे, मिसाइल प्रणालियां और सैन्य सहयोग जारी रहेंगे। यह स्थिति भारत की कूटनीतिक परिपक्वता को दर्शाती है। शीत युद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्षता का रास्ता चुना था। आज वही नीति "रणनीतिक स्वायत्तता" के आधुनिक रूप में दिखाई देती है। भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनने के बजाय मुद्दा आधारित साझेदारी को प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि वह अमेरिका के साथ भी काम करता है और रूस के साथ भी संबंध बनाए रखता है। भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौते का असर केवल द्विपक्षीय स्तर तक सीमित नहीं रहेगा। इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। जब दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं सहयोग का रास्ता चुनती हैं, तो बाजारों में सकारात्मक संदेश जाता है। निवेशकों का भरोसा बढ़ता है, पूंजी प्रवाह तेज होता है और नई साझेदारियों के रास्ते खुलते हैं। उभरते देशों के लिए भी यह संकेत होता है कि संवाद और समझौते के जरिए विवाद सुलझाए जा सकते हैं। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। डिजिटल कर, डेटा लोकलाइजेशन, ई-कॉमर्स नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार, कृषि सब्सिडी और पर्यावरण मानकों जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। अमेरिकी कंपनियां भारतीय डिजिटल नियमों को सख्त मानती हैं, जबकि भारत डेटा सुरक्षा और डिजिटल संप्रभुता को जरूरी बताता है। आने वाले समय में इन विषयों पर गहरी बातचीत और संतुलित समाधान की जरूरत होगी। भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि विदेशी निवेश को आकर्षित करते समय घरेलू उद्योगों और छोटे कारोबारियों के हित प्रभावित न हों। खुले बाजार और आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन जरूरी है। "मेक इन इंडिया" और "ग्लोबल पार्टनरशिप" — दोनों को साथ लेकर चलना होगा। यही व्यावहारिक राष्ट्रवाद का सही रूप है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है। इससे यह संदेश जाता है कि भारत अब केवल नीतियों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नीतियों को प्रभावित करने वाला खिलाड़ी बन चुका है। उसकी बात सुनी जाती है, उसके हितों पर विचार किया जाता है। यह बदलाव रातों-रात नहीं आया, बल्कि लगातार आर्थिक सुधार, राजनीतिक स्थिरता और सक्रिय कूटनीति का नतीजा है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भी भारत-अमेरिका साझेदारी का असर दिखाई देगा। समुद्री सुरक्षा, सप्लाई चेन, तकनीकी मानक और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में नई पहलें हो सकती हैं। क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग और मजबूत हो सकता है। उभरती तकनीकों — जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी — में संयुक्त परियोजनाएं शुरू हो सकती हैं। आर्थिक नजरिए से देखें तो यह समझौता भारत के लिए एक अवसर है — खुद को विश्व उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने का।

विचार

राजीव श्रीवास्तव

चित्रोत्पला फिल्म सिटी : सपना बड़ा है, शुरुआत संवेदनशील होनी चाहिए

छत्तीसगढ़ में चित्रोत्पला फिल्म सिटी का निर्माण राज्य के सांस्कृतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह परियोजना न केवल फिल्म निर्माण से जुड़ी है, बल्कि इससे छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और रचनात्मक पहचान को राष्ट्रीय मंच मिलने की संभावना भी जुड़ी हुई है। ऐसे में इस परियोजना की हर शुरुआत, हर प्रतीक और हर निर्णय का सांस्कृतिक अर्थ भी होता है। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सामने आया विवाद इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करता है, जिसे केवल औपचारिक प्रतिक्रिया देकर टालना उचित नहीं होगा।

जब अपनी ही जमीन पर कलाकार हाशिये पर हों

यदि छत्तीसगढ़ के नाम पर बन रही फिल्म सिटी के पहले सार्वजनिक आयोजन में स्थानीय कलाकार, रंगकर्मी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा से जुड़े लोग स्वयं को उपेक्षित महसूस करें, तो यह केवल एक आयोजन की त्रुटि नहीं, बल्कि सोच में आई दूरी का संकेत है। बॉलीवुड कलाकारों के कट-आउट और प्रतीकों के बीच छत्तीसगढ़ की अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति का कमजोर दिखना यह प्रश्न खड़ा करता है कि— क्या हम विकास की दौड़ में अपनी जड़ों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं?

संस्कृति आयोजन नहीं, सहभागिता मांगती है

अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि संस्कृति विभाग का कार्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं होता, बल्कि कलाकारों के आत्मसम्मान और भागीदारी को सुनिश्चित करना होता है। कलाकार मंच नहीं मांगते, वे यह महसूस करना चाहते हैं कि— वे इस परियोजना का हिस्सा हैं,

केवल दर्शक नहीं। यदि चित्रोत्पला फिल्म सिटी वास्तव में छत्तीसगढ़ की है, तो उसकी पहली तस्वीर में छत्तीसगढ़ी कलाकारों की केंद्रीय भूमिका स्वाभाविक होनी चाहिए थी।

सरकार की मंशा और ज़मीनी अपेक्षाएं

सरकार और आयोजन से जुड़े पक्षों ने यह कहा है कि सभी को साथ लेकर चलने की मंशा है और किसी को जानबूझकर नज़रअंदाज़ नहीं किया गया। इस आश्वासन का स्वागत किया जाना चाहिए।

लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि आने वाले समय में—स्थानीय कलाकारों की निर्णायक भागीदारी

छत्तीसगढ़ी फिल्मों और रंगमंच के लिए ठोस नीति प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और मंच के स्थायी प्रावधान

स्पष्ट रूप से दिखाई दें। क्योंकि सांस्कृतिक विश्वास शब्दों से नहीं, कार्यवाही से बनता है।

चित्रोत्पला : नाम के साथ जिम्मेदारी

चित्रोत्पला केवल एक आधुनिक फिल्म सिटी का नाम नहीं है। यह छत्तीसगढ़ की उस सांस्कृतिक स्मृति का प्रतीक है, जहाँ लोककला, शिल्प और रचनात्मकता पीढ़ियों से जीवित रही है। इस नाम के साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि फिल्म सिटी की आत्मा स्थानीय हो और दृष्टि वैश्विक।

अंततोगत्वा मैं यह कहना चाहता हूं कि....

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। लेकिन यदि इसकी नींव में संवेदनशीलता और संवाद की कमी रही, तो भव्य संरचनाएं भी सांस्कृतिक रूप से अधूरी रह जाएंगी। आलोचना को विरोध नहीं, समय रहते मिला संकेत समझना चाहिए। क्योंकि संस्कृति में संकेतों की अनदेखी, सबसे महंगी भूल होती है।

(पूर्व आयुक्त, संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन)

ईश्वर की प्राप्ति ही तो जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है

संकलित

दर्शन

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिधान आते हैं। शौच से मतलब मन की सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेंद्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।

आखिर कर्म ही महान है

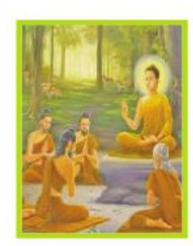

संकलित

प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

तोतों का जोड़ा

मोरीगांव के पोबितोरा वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में बुधवार को टूरिस्ट हाथी की सवारी करते हुए।

आज की पाती

उचित खानपान व जीवनशैली की जरूरत

कैंसर से बचने और इसके बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले कुछ वर्षों से दुनियाभर में विश्व कैंसर दिवस, 4 फरवरी को मनाया जाता आ रहा है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में कैंसर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। कुछ समय पहले हमारे देश में 11 लाख से ज्यादा कैंसर के नए मामले सामने आए, जबकि 7 लाख 84 हजार 800 लोगों की मौत कैंसर से हुई। हमारे देश में कैंसर के बढ़ते आंकड़े चिंताजनक है। अगर इसके लिए जल्दी से जल्दी चिंतन नहीं किया गया और गंभीरता नहीं दिखाई गई तो यह हमारे देश के लिए और भी मुसीबत बन सकता है। उचित खानपान व जीवनशैली की जरूरत है।

- राकेश गुप्ता, रायगढ़

ट्रेंड

ऐतिहासिक व्यापार समझौता

भारत और अमेरिका के बीच हुआ ऐतिहासिक व्यापार समझौता देश और विशेषकर हमारे राजस्थान के लिए प्रगति के नए द्वार खोलने वाला है। इस कदम से ज्वेलरी, हैंडीक्राफ्ट, गारमेंट और स्टोन इंडस्ट्री के लिए वैश्विक बाजार के द्वार खुलेंगे, जिससे निर्यात में वृद्धि होगी।

- भजनलाल, सीएम, राजस्थान

सवालों का जवाब दे केंद्र

केंद्रीय भाजपा सरकार विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों से क्यों डर रही है? सरकार को सदन के सदस्यों के सवालों का जवाब देने और राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों से जुड़े मामलों पर स्पष्टता प्रदान करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

- एम.के. स्टालिन, सीएम, तमिलनाडु

दिल्ली असुरक्षित क्यों

दिल्ली में सिर्फ 15 दिन में 807 लोग गायब हो गए, ये हालात सामान्य नहीं, बेहद डराने वाले हैं। राजधानी में लोगों की सुरक्षा भगवान भरोसे छोड़ दी गई है। दिल्ली में हर स्तर पर बीजेपी के पास पूरी ताकत है, फिर भी दिल्ली इतनी असुरक्षित क्यों है ?

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

जनता के लिए हानिकारक

ये डील नहीं, ढील है। भाजपा की उल्टी गणित से जनता फिर पूछ रही है : ज़ीरो बड़ा या अठारह, इस देश में कोई भी डील जो 70 फीसदी कृषि आधारित जनता के लिए हानिकारक है वो कभी लाभकारी साबित नहीं हो सकती है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

जिल बाइडन के पूर्व पति पर पत्नी की हत्या का आरोप

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन के पूर्व पति पर दिसंबर के अंत में डेलावेयर स्थित घर में अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विलमिंगटन निवासी विलियम स्टीवेन्सन (77) का जिल बाइडन से वैवाहिक रिश्ता 1970 से 1975 तक चला था। डेलावेयर के अटॉर्नी जनरल की प्रवक्ता कैरोलिन हैरिसन ने फोन पर बातचीत में पुष्टि की कि स्टीवेन्सन, जिल बाइडन के पूर्व पति हैं। पूर्व राष्ट्रपति और भूतपूर्व प्रथम महिला के कार्यालय के प्रवक्ता द्वारा ईमेल के माध्यम से दिए गए जवाब के अनुसार, जिल बाइडन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हत्या के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद पांच लाख अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि जमा करने में विफल रहने के कारण स्टीवेन्सन जेल में ही है। उन पर 28 दिसंबर को 64 वर्षीय लिंडा स्टीवेन्सन की हत्या का आरोप है। विज्ञप्ति के अनुसार, रात 11 बजे के बाद घरेलू विवाद की सूचना पर पुलिस को घर बुलाया गया और उन्होंने बैठक कक्ष में एक महिला को बेहोश पाया। लिंडा स्टीवेन्सन के शोक संदेश के मुताबिक, वह व्यवसाय करती थी और उन्हें परिवार-उन्मुख मां और दादी बताया गया है।

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े है। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे है, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं - लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है - एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा - 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

रॉयल पत्रिका

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार

-ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की अभिनव पहल

-ग्राम उत्थान शिविर, एक ही छत के नीचे मिल रहा विभिन्न योजनाओं का लाभ

-77 लाख से अधिक प्रकरणों का किया गया निस्तारण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में ग्रामीणों तक सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्राम उत्थान शिविरों की अभिनव पहल की गई है। 23 जनवरी (बंसत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर शुरू हुए इन शिविरों में आमजन की 77 लाख से अधिक समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन शिविरों से किसान, पशुपालक, महिला एवं श्रमिक सहित विभिन्न वर्गों को एक ही छत के नीचे योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इससे प्रशासन और आमजन के बीच की दूरी कम हुई है और आत्मनिर्भर एवं सशक्त ग्रामीण राजस्थान को गति मिली है।

13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने लिया हिस्सा, मिल रही 13 विभागों की सेवाएं-

ग्राम उत्थान शिविरों के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 1 हजार 512 शिविर लगाकर ग्रामीणों को राहत दी गई है। अब तक इन शिविरों में 13 लाख 91 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। जिसमें 9 लाख 17 हजार पुरूष एवं 4 लाख 12 हजार महिलाएं शामिल हैं। प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर आयोजित इन शिविरों में करीब 13 विभागों की विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

98 हजार सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार से अधिक स्वामित्व कार्ड का वितरण-

इन शिविरों में किसानों, पशुपालकों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। किसानों को 98 हजार 299 से अधिक सॉइल हेल्थ कार्ड और 55 हजार 886 स्वामित्व कार्ड का वितरण किया गया है। पशुपालकों के लिए भी इन शिविरों में अनेक कार्य करवाए जा रहे हैं। इन शिविरों में मंगला पशु योजना के तहत 92 हजार पशुपालकों का पंजीकरण किया गया तथा 5 लाख 11 हजार पशुओं की प्राथमिक चिकित्सा और 77 हजार पशुओं का टीकाकरण किया गया है। ग्राम उत्थान शिविरों में सहकारिता, कृषि विपणन एवं उद्यानिकी की विभिन्न योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है। इन शिविरों में किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूहों को ऋण आवदेन, नये कस्टम हायरिंग सेन्टर्स के आवदेन सहित विभिन्न योजनाओं से लाखों ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही, कृषि विपणन के तहत मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के तहत अब तक 2 हजार 923 आवेदनों का निस्तारण भी किया गया। इन शिविरों में पीएम सूर्य घर योजना के तहत 28 हजार 908 पंजीकरण तथा फार्मर रजिस्ट्री के 14 हजार 430 पंजीकरण किए गए हैं। शिविरों में फार्म पौंड, तारबंदी, पाईपलाइन के आवेदन, प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण का प्रचार-प्रसार, कृषि योजनाओं की जानकारी, मिनी किट वितरण का सत्यापन, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, युवा स्वरोजगार योजना, ड्रिप, फव्वारा संयत्र, प्लास्टिक मल्च के आवेदन सहित डेयरी, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति भारी उत्साह

-10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक लोगों ने किया आवेदन

-योजना में 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण, 50 हजार रुपये तक मार्जिन मनी का प्रावधान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रति लोगों में भारी उत्साह है। करीब 10 दिनों में ही 5 हजार से अधिक प्राप्त हुए हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के एक लाख युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इसके तहत विनिर्माण, सेवा एवं व्यापार सेक्टर में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा शत—प्रतिशत ब्याज का पुनर्भरण किया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी और सीजीटीएमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट) शुल्क के पुनर्भरण का भी प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 12 जनवरी को इस योजना का शुभारंभ किया था और 15 जनवरी को विभाग द्वारा गाइडलाइन जारी की गई थी। उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने बताया राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के प्रति युवाओं की बेहतर प्रतिक्रिया रही है। अब तक 5,089 लोगों ने आवेदन किया है, 22 जनवरी को आवेदन शुरू किए गए थे। जिला महाप्रबंधकों द्वारा इन आवेदनों की जांच कर ऋण स्वीकृति और वितरण के लिए शीघ्र ही बैंकों को अग्रेषित किए जाएंगे।

5 जिलों में 200 और 19 जिलों में 100 से अधिक आवेदन-

जयपुर जिले में सर्वाधिक 385 आवेदन प्राप्त हुए हैं। साथ ही, चूरू, बीकानेर, टोंक, और हनुमानगढ़ जिलों में 200 से अधिक आवेदन आए हैं। बूंदी, सीकर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, दौसा, डीडवाना कुचामन, बारां, झुंझुनूं, नागौर, भीलवाड़ा, अजमेर, झालावाड़, भरतपुर, बाड़मेर, सवाई माधोपुर, कोटा, करौली, पाली और अलवर जिले ऐसे हैं, जहां 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

जयपुर: 385,चूरू: 270,बीकानेर: 220,टोंक: 212,हनुमानगढ़: 209,बूंदी: 195,सीकर: 187, श्रीगंगानगर: 179, जोधपुर: 175, दौसा: 170, डीडवाना कुचामन: 158, बारां: 155, झुंझुनूं: 150, नागौर: 148, भीलवाड़ा: 144 अजमेर: 143, झालावाड़: 141, भरतपुर: 135, बाड़मेर: 131, सवाई माधोपुर: 131, कोटा: 118, करौली: 110, पाली: 109, अलवर: 100

एसएसओ आईडी और ई—मित्र से आवेदन-

इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रदेश के युवा स्वयं की एसएसओ आईडी और ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र, आवेदक की फोटो, शैक्षणिक और तकनीकी योग्यता का प्रमाण पत्र, संस्थागत आवेदन की स्थिति में 51 प्रतिशत से अधिक स्वामित्व का दस्तावेज आवश्यक हैं।

योजना के तहत देय लाभ—

8वीं से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 3.5 लाख रुपये एवं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 7.5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, अधिकतम 35 हजार रुपये की मार्जिन मनी भी दी जाएगी। स्नातक, आईटीआई और अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपये तथा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए 10 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, 50 हजार रुपये तक की मार्जिन मनी भी दी जाएगी।

सॉस फैक्ट्री पर निरीक्षण कार्रवाई, स्टार्च से बनाई जा रही थी मेयोनीज

-1250 किलो स्टार्च घोल नष्ट कराया, 100 किलो मेयोनीज जब्त की

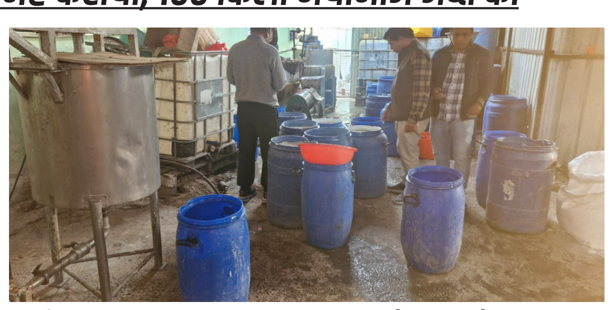

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेशभर में मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत बुधवार को जयपुर में मिलावटी सॉस बनाने वाली फैक्ट्री पर कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने केसर नगर, खो नागोरियान स्थित सॉस और मेयोनीज का निर्माण करने वाली फैक्ट्री मैसर्स श्याम फूड पर निरीक्षण की कार्रवाई की। यहां सॉस एवं मेयोनीज निर्माण में कई अनियमितताएं पाई गईं। मेयोनीज स्टार्च के घोल से बनाया जा रहा था, जबकि मेयोनीज के लेबल के अनुसार स्टार्च काम में नहीं लिया जाना चाहिए। मेयोनीज में सफेदी लाने के लिए टिटेनियम डाइऑक्साइड काम में लिया जा रहा था, जिसका लेबल पर उल्लेखन नहीं था। एफएसएस एक्ट के अनुसार मेयोनीज में टिटेनियम डाईऑक्साइड नहीं मिलाया जा सकता। फर्म मालिक लवनीश कर्मचंदानी ने बताया कि इस फैक्ट्री में तैयार मेयोनीज ज्यादातर फूड स्टॉल को सप्लाई किया जाता है। मौके से मेयोनीज का सैंपल लिया गया। लगभग 1250 किलो स्टार्च घोल जिसमें मच्छर पड़े हुए थे, उसे नष्ट कराया गया और 100 लीटर मेयोनीज जब्त किया गया। फैक्ट्री में पाई गई कमियों के लिए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

थाईलैंड राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना 6 से 10 फरवरी तक रहेंगी राजस्थान प्रवास पर

- मुख्य सचिव ने की रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर सुश्री चवनार्ट थांगसुमफैंट के साथ तैयारियों की समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। थाईलैंड की राजकुमारी प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना 6 से 10 फरवरी तक राजस्थान प्रवास पर रहेंगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उनकी यात्रा प्रवास को लेकर बुधवार को शासन सचिवालय में रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर सुश्री चवनार्ट थांगसुमफैंट सहित थाई एम्बेसी और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान की पूरे विश्व में अतिथि देवो भव: की परंपरा की अपनी अनूठी पहचान है। ऐसे में प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना की मेहमान नवाजी का अवसर मिलना राज्य के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि थाई राजकुमारी का यह दौरा भारत-थाईलैंड संबंधों में और अधिक गहरे सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को प्रोत्साहित करेगा। मुख्य सचिव ने प्रिंसेस की यात्रा के दौरान पुलिस तैयारियों, सुरक्षा इंतजामों, यातायात व्यवस्था, प्रोटोकॉल, संबंधी समस्त पहलूओं की विस्तृत समीक्षा की। प्रिंसेस सिरिवन्नावरी नारिरताना अपने प्रवास के दौरान जयपुर एवं जोधपुर का भ्रमण करेंगी। जयपुर में वे आमेर किला, हवामहल, सिटी पैलेस, त्रिपोलिया बाजार सहित अन्य प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन करेंगी। इसके पश्चात जोधपुर में मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण प्रस्तावित है। इस दौरान उन्हें राजस्थान की समृद्ध हस्तशिल्प कला, शिल्पकला, संस्कृति, विरासत एवं पारंपरिक आतिथ्य से भी अवगत कराया जाएगा। रॉयल थाई एम्बेसी की एम्बेसडर सुश्री चवनार्ट थांगसुमफैंट ने कहा कि राजकुमारी ने राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान से प्रभावित होकर अपनी इस यात्रा के लिए राजस्थान का चयन किया है। एंबेसडर ने राज्य सरकार द्वारा की जा रही समस्त तैयारियों के लिए मुख्य सचिव का आभार जताया।

जेडीए ने इक्कीस बीघा भूमि पर चार अवैध कॉलोनियों को किया पूर्णत: ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-25 में निजी खातेदारी की करीब 21 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "आदर्श नगर" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़के, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। उन्होंने बताया कि जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में दूसरी करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम-1" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जेडीए द्वारा जोन-25 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मालीहाला, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर "गोकुल धाम-2" के नाम से बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, ट्री गार्ड व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-25 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

पीएमकेकेकेवाई में प्रदेश के 5 आंकाक्षी जिले और 27 आंकाक्षी ब्लॉक शामिल

-डीएमएफटी राशि का परस्पर सहयोग से बेहतर उपयोग पर बल-खान सचिव-टी. रविकान्त

-डीएमएफटी पोर्टल लांच करने की अंतिम चरण में तैयारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। खान, भूविज्ञान व पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने जिला कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रुबरु होते हुए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फण्ड ट्रस्ट में उपलब्ध राशि का खनिज प्रभावित क्षेत्रों में निर्धारित कार्यों के लिए परस्पर सहयोग से बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा प्रदेश के 5 आंकाक्षी जिलों और 27 आंकाक्षी ब्लॉकों में प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन पर जोर दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जल्द ही डीएमएफटी पोर्टल भी लांच किया जा रहा है जिसमें राज्य स्तर के साथ ही संबंधित जिलों से संबंधित कार्यों के क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि भारत सरकार के नीति आयोग ने प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना पीएमकेकेकेवाई में डीएमएफटी में उपलब्ध राशि के बेहतर उपयोग पर जोर देते हुए दिशा-निर्देश जारी किये हैं। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए क्रियान्वयन में समन्वय और संचालन सहायता के लिए पीएमयू का गठन अंतिम चरण में है। रविकान्त ने बताया कि नीति आयोग द्वारा राज्य के 5 आंकाक्षी जिलों में सिरोही, जैसलमेर, बारां, करौली और धौलपुर को रखा गया हैं वहीं 27 आंकाक्षी ब्लॉकों में नीमराणा, सज्जनगढ़, किशनगंज, रामसर, वैर, कोटड़ी, कोलायत, नीम्बाहेड़ा, राजगढ़, रामगढ़ पचवारा, बसेड़ी, जोठरी, संगरिया, फतेहगढ़, आहोर, खानपुर, शेरगढ़, मासलपुर, जायल, रानी स्टेशन, पीपलखूंट, भीम, गंगापुर सिटी, आबू रोड़, पीपलू और खैरवाड़ा को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि उपलब्ध राशि के बेहतर उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन, प्रभावी मोनेटरिंग, जनभागीदारी, जागरुकता और कौशल विकास पर जोर दिया गया है। रविकान्त ने डीएमएफटी से जुड़े सभी जिलो के जिला कलक्टरों से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव मांगे हैं। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के समन्वित विकास के लिए इस कोष का निर्धारित कार्यों में उपयोग कर लाभान्वित किया जाना है।

हजरत दिलावर शाह बाबा का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स शुरू, चद्दर का जुलूस निकाला

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका) चौमू के रावण गेट व जामा मस्ज़िद के पास में स्तिथ हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत दिलावर शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स चिराग रोशन के साथ मे हुआ जो कि 5 फरवरी गुरुवार को कूल की रस्म के साथ मे विधिवत सम्पन होगा। शहजाद खान लोहानी व रिय्याज खान लोहानी ने बताया कि 4 फरवरी बुद्धवार को सुबह चिराग रोशन कर झंडा फहराया गया इसी के साथ मे रंग बिरंगे परिधानों में सज संवर कर जायरीनों का आना शुरू होगया शाम को जामा मस्जिद मोहल्ले से गाजे बाजे के साथ मे चद्दर का जुलूस निकाला गया शाम 6 बजे बाद दरगाह के खादिमो के द्वारा बाबा के चद्दर पेश की गई इस दौरान उपस्तिथ हिन्द मुस्लिम जायरीनों के मुख से यही स्वर फूट रहे थे कि "निगाहे वली में वो तासीर देखी बदलती हुई रोज हजारों की तकदीर देखी"। इस अवसर पर नबाब खान, इस्लामुद्दीन गौरी, शहजाद खान लोहानी, शमशेर खान (वीआईपी), रिय्याज खान लोहानी, शमशेर खान चौहा,न अब्दुल रशीद खान, इलियास खान लोहानी, फारुख खान, शौकत खान लोहानी पाली, शाह फाजिल खान लोहानी, सैफ अली खान, विक्की गौरी, फेज मोहम्मद, रहुफ गौरी, जीशान हसन, अशफाक खान, फरमान लोहानी, अफराज खान, फरमान गौरी, हनिस खान, आबिद खान, ज़ैद खान आदि उपस्तिथ थे।

वरिष्ठ अध्यापक- विज्ञान (माध्यमिक शिक्षा विभाग) भर्ती-2024

-विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन भरना होगा विस्तृत आवेदन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत विज्ञान विषय की विचारित सूची में सफल घोषित अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत आवेदन प्रक्रिया का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। उक्त विषय की विचारित सूची में अस्थाई रुप से सम्मिलित किए गए सभी अभ्यर्थियों को एसएसओ आईडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर माय रिक्रूटमेंट-डीटेल्ड फॉर्म कम स्क्रूटनी- अप्लाई नाउ का चयन कर अपना विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरना होगा।ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र भरने हेतु आयोग द्वारा दिनांक 7 से 13 फरवरी 2026 (रात्रि 11.59) तक लिंक खोला जायेगा। इस क्रम में यह सूचित किया जाता है कि विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच संबंधित विभाग (माध्यमिक शिक्षा विभाग) द्वारा ही की जायेगी। अतः ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने व सबमिट करने के उपरांत प्रिन्ट ऑप्शन पर जाकर सम्पूर्ण विस्तृत आवेदन पत्र को 02 प्रतियों में प्रिन्ट कर अपने पास संभाल कर रखें एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की सूचना के अनुसार निर्धारित दिनांक, समय व स्थान पर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) मय समस्त मूल दस्तावेजों व स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित उपस्थित होवें।

चैक अनादरण के मामले में 1 वर्ष के कारावास, 5 लाख 50 हजार रुपए के प्रतिकार का आदेश

मनोहरपूर जाफ़र (रॉयल पत्रिका)। विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन. आई. एक्ट प्रकरण रितिका जी श्रोती ने चेक अनादरण के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए 1 वर्ष के कारावास और 5 लाख 50 हजार रुपए प्रतिकर के आदेश की सजा दी।। मामले के तथ्य इस प्रकार है कि अधिवक्ता एडवोकेट प्रवीण गर्ग,एडवोकेट खुमान सिंह एडवोकेट तनवीर खान ने परिवादी भूपेंद भटनागर निवासी 5 बी प्रतापनगर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ की और से अभियुक्त प्रकाश चंद्र बोर्डे पिता मांगीलाल बोर्डे निवासी सुभाष कॉलोनी डायट रोड तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ के विरुद्ध 138 पराक्रम लिखित अधिनियम के अंतर्गत एक परिवाद न्यायालय में पेश किया। जिसमें परिवादी भूपेंद भटनागर ने यह बताया कि अभियुक्त प्रकाश चंद्र बोर्डे ने अपने घरेलू खर्च एवं कर्ज अदायगी के लिए 5 लाख रुपए नगद उधार लिए जिसकी अदायगी पेटे अभियुक्त ने भारतीय स्टेट बैंक शाखा चित्तौड़गढ़ का एक चेक दिया जब परिवादी द्वारा बाद में 5 लाख रुपयों की मांग की गई तो अभियुक्त प्रकाश चंद्र बोर्डे ने उक्त चेक को बैंक में पेश करने के लिए कहा। इस पर परिवादी ने चेक अपने खाते वाले HDFC बैंक शाखा मीरा नगर चित्तौड़गढ़ में उक्त चेक सिकराने के लिए पेश किया जहां से उक्त चेक फंड्स इनसफीशियन्ट के अंकन के साथ उक्त चेक बाउंस हो गया। उसके पश्चात परिवादी ने अपने अधिवक्ता के जरिए अभियुक्त को उसके पते पर नोटिस दिया नोटिस के पश्चात न्यायाल में परिवाद पेश करने के दौरान परिवादी भूपेंद भटनागर के बयान न्यायालय में लिखित में हुए साथ ही ओर 5 दस्तावेज को एक्जीबिट भी किया गया। दौरान ए बहस परिवादी के अधिवक्ता एडवोकेट प्रवीण गर्ग,एडवोकेट खुमान सिंह एवं एडवोकेट तनवीर खान ने न्यायालय के समक्ष तर्क रखते हुए निवेदन किया कि चेक अभियुक के द्वारा स्वयं का दिया चेक पर हस्ताक्षर अभियुक्त के है जिस पर किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं चेक का किसी प्रकार का कोई दुरुपयोग नहीं किया गया ना ही किसी प्रकार की कोई दुरुपयोग के सम्बन्ध में विधिक कार्यवाही अभियुक्त के द्वारा परिवादी के विरुद्ध की गई अभियुक्त पूरी तरह से यह साबित करने में असफल रहा कि चेक अभियुक्त के द्वारा नहीं दिया गया। माननीय न्यायालय विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन. आई. एक्ट प्रकरण रितिका जी श्रोती ने परिवादी के अधिवक्ता प्रवीण गर्ग,खुमान सिंह तनवीर खान के तर्कों को स्वीकार करते हुए परिवाद को स्वीकार करते हुए अभियुक्त प्रकाश चंद्र बोर्डे को 1 वर्ष के कारावास और 5 लाख 50 हजार रुपए के प्रतिकार से दंडित किया।

अरोड़ा ऊर्जा विभाग में ऊर्जा सलाहकार के पद पर नियुक्त हुए, विद्युत कर्मचारियों में ख़ुशी की लहर

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सीनियर टेक्नोक्रेट और पूर्व प्रबंध निदेशक जयपुर डिस्कॉम नवीन अरोड़ा को ऊर्जा विभाग में ऊर्जा सलाहकार के पद पर नियुक्त होने पर ऑल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एंप्लाइज यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने खुशी जाहिर की है। यूनियन के संरक्षक आर के मीना अध्यक्ष दिनेश कुमावत, महामंत्री मोहम्मद यूसुफ कुरैशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी मेहराज हाशमी, संगठन मंत्री चक्रवती शर्मा, महेश किराड़, रमजान खान सत्यनारायण शर्मा अब्दुल अज़ीज़ लोहानी ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि नवीन अरोड़ा का पूर्व का ऊर्जा विभाग में बहुत अच्छा अनुभव है इसी के मध्य नजर सरकार ने उनको यह अहम जिम्मेदारी दी गई है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

राज्य वृक्ष खेजड़ी की कटाई पर विधानसभा में गरजे सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर ने आज राजस्थान विधानसभा में राज्य वृक्ष खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई, पर्यावरण संरक्षण और बिश्नोई समाज द्वारा चल रहे आंदोलन को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता का गंभीर मुद्दा उठाया। विधायक गेदर ने कहा कि राजस्थान प्रदेश में पर्यावरण बचाओ–खेजड़ी बचाओ समिति एवं बिश्नोई समाज की अगुवाई में बीकानेर क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से आंदोलनरत हैं, इसके बावजूद खेजड़ी के पेड़ों की अवैध कटाई लगातार जारी है। खेजड़ी केवल राज्य वृक्ष ही नहीं, बल्कि देव वृक्ष है, जिसकी पूजा की जाती है, फिर भी इसे बचाने के लिए सरकार द्वारा कोई सख्त और प्रभावी कानून नहीं बनाया गया। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि 10 नवंबर 2024 को रासिसर में खेजड़ी संरक्षण को लेकर बिश्नोई समाज द्वारा महापड़ाव होना था। उस समय खींवसर उपचुनाव को देखते हुए 9 नवंबर 2024 को कुचेरा में मुख्यमंत्री द्वारा बिश्नोई समाज के संतों और समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर खेजड़ी पर सख्त कानून बनाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही इस मुद्दे को जुमले की टोकरी में डाल दिया गया। विधायक गेदर ने कहा कि 1 साल बाद में संसदीय मंत्री द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में केवल जुर्माने की राशि बढ़ाने की घोषणा की गई, जो खेजड़ी संरक्षण नहीं बल्कि उद्योगपतियों को राहत देने जैसा कदम है। पहले जहां पेड़ काटने पर 100 रुपये का जुर्माना था, उसे 1000 रुपये किया गया तथा 6 महीने की सजा के स्थान पर मात्र 5000 रुपये का जुर्माना कर दिया गया, जिससे खेजड़ी की कटाई को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि बीकानेर के नोखादहिया में रामगोपाल बिश्नोई के नेतृत्व में 567 दिनों से धरना जारी है तथा जिला कलेक्ट्रेट के सामने 201 दिनों से आंदोलन चल रहा है। 19 दिसंबर 2025 को मुकाम में स्वामी रामानंद जी के नेतृत्व में महापंचायत हुई, जिसमें 2 फरवरी को बीकानेर में महापड़ाव का ऐलान किया गया था। सरकार को इसकी जानकारी होने के बावजूद आज तक किसी मंत्री या अधिकारी ने आंदोलनकारियों से बातचीत नहीं की। वर्तमान में आंदोलन के तीसरे दिन 29 संत, एक साध्वी, 60 महिलाएं और 429 पुरुष अन जल त्याग आमरण अनशन पर बैठे हैं। तीन आंदोलनकारियों की तबीयत भी खराब हो चुकी है, फिर भी सरकार का कोई प्रतिनिधि संवाद के लिए नहीं पहुंचा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली जी ने भी विधानसभा में इस विषय को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह साधु-संतों से बातचीत करे और खेजड़ी संरक्षण को लेकर स्पष्ट नीति बनाए। विधायक डूंगर राम गेदर ने सरकार से मांग की कि खेजड़ी संरक्षण के लिए तत्काल सख्त और प्रभावी कानून बनाया जाए आमरण अनशन पर बैठे संतों एवं आंदोलनकारियों से तुरंत वार्ता की जाए पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार अपनी नीयत और नीति स्पष्ट करे अंत में उन्होंने कहा— "मां अमृता बाई अमर रहें। खेजड़ी बचेगी, तभी राजस्थान बचेगा।"

सीवरेज के चेंबर दे रहे दुर्घटनाओं को न्योता

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। शहर में सीवरेज व्यवस्था की बदहाली अब आमजन के लिए गंभीर खतरे का कारण बनती जा रही है। शहर के कई इलाकों में सीवरेज के चेंबर ओवरफ्लो हो रहे हैं, वहीं कई स्थानों पर इनके ढक्कन या तो टेढ़े पड़े हैं या पूरी तरह टूट चुके हैं। ऐसे में हर वक्त दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे राहगीरों के साथ-साथ वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार खरेटा मोड़ के पास मोक्ष धाम के सामने सड़क के बीचों-बीच सीवरेज चेंबर का ढक्कन टूटा हुआ पड़ा है। यह स्थान शहर के व्यस्त मार्गों में से एक है, जहां दिन-रात वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। खासकर रात के समय यह टूटा हुआ ढक्कन दिखाई नहीं देता, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के गिरने और गंभीर चोट लगने का खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब ओवरफ्लो होता गंदा पानी सड़क पर फैल जाता है और चेंबर नजर ही नहीं आते। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए रास्ते से गुजरना बेहद जोखिम भरा हो जाता है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि सीवरेज लाइन बिछाने के बाद मरम्मत और रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। नतीजा यह है कि जगह-जगह खुले या टूटे हुए चेंबर शहर की सुंदरता को भी बिगाड़ रहे हैं और हर पल हादसे को दावत दे रहे हैं। कई वाहन चालक इन चेंबरों से बचने के चक्कर में संतुलन खो बैठते हैं, जिससे सड़क पर जाम और दुर्घटनाओं की स्थिति बन जाती है।

ग्राम उत्थान शिविर बने सहारा: जॉब कार्ड, कृषि यंत्र और पशु बीमा का मिला लाभ

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में गिरदावर सर्किल पर विशेष ग्राम उत्थान शिविरों के तहत गुरूवार को बारां में अटल सेवा केन्द्र बड़ा, शाहबाद में समरानिया, मांगरोल में रायथल, अटरु में कटावर, किशनगंज में बांसथूनी, छबड़ा तथा छीपाबड़ौद में गोरधनपुरा में आयोजित विशेष शिविरों में कई ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

शिविर मे मौके पर मिला लाभ-

केलवाड़ा में आयोजित शिविर में आए इमरान खान निवासी केलवाड़ा ने बताया कि नव उत्थान नई पहचान के अंतर्गत शिविर प्रभारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा नवीन जॉब कार्ड सोपा गया बरसों से अपने रोजगार के अधिकार को लेकर अनिश्चिता झेल रहे मेरे लिए यह क्षण अत्यंत गर्व और आत्मसम्मान का था। अब जॉब कार्ड का लाभ एवं रोजगार सरलता से प्राप्त कर सकुंगा। लाभार्थी इमरान ने कहा कि विकसित भारत जी राम जी और और ग्राम उत्थान शिविर जैसे प्रयास ग्रामीण नागरिकों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है जहां कागज नहीं आत्मविश्वास मिलता है और काम के साथ-साथ रोजगार की पहचान भी मिलती है।

कृषि यंत्र की स्वीकृति-

शिविर में कृषि विभाग की ओर से संचालित कृषि यंत्र योजना के अंतर्गत ग्राम पीपलखेड़ी के प्रगतिशील कृषक राजेश किराड़ को कृषि यंत्र की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति मिलने पर कृषक परिवार में हर्ष का माहौल रहा। राजेश किराड़ बताया कि पहले फसल में खरपतवार, रोग व कीट से परेशान थे, जिसके कारण फसल उत्पादन में अस्थिरता बनी रहती थी। कृषि यंत्र योजना की स्वीकृति से अब आसानी से मिट्टी में गहरी जुताई होने से खरपतवार, कीट व रोग में कमी आएगी। जिससे लागत में कमी होगी और फसल उत्पादन में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। साथ ही साथ आर्थिक संबल भी मिलेगा। किराड़ ने कहा कि कृषि यंत्र योजना वास्तव में किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाली है।

पशुपालक को मिला मंगला पशु बीमा योजना का लाभ-

लाभार्थी जमनालाल नागर निवासी मौखमपुरा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में मैंने शिविर प्रभारी तहसीलदार सुरेन्द्र सिंह गुर्जर को अवगत करवाया कि मेरे दो भैसें है और मुझे क्या लाभ प्राप्त हो सकता है। उन्होंने तत्काल ही पशुपालन विभाग के कार्मिकों को बुलाकर योजना के लाभ की जानकारी एवं लाभ दिए जाने के निर्देश दिए। मेरी दोनो भैसों का मुख्यमंत्री मंगला पशु योजनान्तर्गत बीमा किया गया। अब मुझे किसी प्रकार के लाभ या हानि की चिंता नहीं है।

किसान को मिला वर्मीकम्पोस्ट यूनिट का लाभ-

मौखमपुरा निवासी जमनालाल धाकड़ द्वारा शिविर मे बताया कि मे वर्मीकम्पोस्ट यूनिट, पशुपालन, मधुमख्खी पालन का कार्य करना चाहता था। शिविर में कृषि पर्यवेक्षक ओमप्रकाश मीणा से संपर्क करने पर योजनाओं व सरकार द्वारा दिए जाने वाले अनुदान के बारे में जानकारी देकर योजना के लिए आवेदन करवाया गया। शिविर प्रभारी एवं उपस्थित सहायक कृषि अधिकारी मीणा द्वारा त्वरित कार्यवाही कर विभाग द्वारा 30000 रुपए अनुदान की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। योजनाओं का लाभ मिलने पर लाभार्थियों द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा चलाए जा रहे ग्राम उत्थान शिविरों की सराहना की। साथ ही शिविर में उपस्थित कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों एवं राजस्थान सरकार को धन्यवाद किया। विशेष ग्राम उत्थान शिविरों में अधिक से अधिक कृषकों एवं पशुपालकों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कृषि एवं संबद्ध विभागों की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत तारबंदी, डिग्गी एवं फार्म पॉण्ड निर्माण, पाइपलाइन स्वीकृतियां, बैलों से खेती योजना में प्रोत्साहन राशि, ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई, सौर पम्प, सॉइल हेल्थ कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, सहकारी ऋण, गोदाम एवं कृषि उपकरणों के आवेदन, पशुओं का बीमा पंजीकरण, टीकाकरण व कृत्रिम गर्भाधान, स्वामित्व कार्ड वितरण, सहकारी सदस्यता, महिला स्वयं सहायता समूह ऋण आवेदन, सहकारी बैंक खाते खोलना, युवा स्वरोजगार एवं पीएम सूर्यघर योजना के पंजीकरण जैसे कार्य किए जाएंगे।

चूरू लाईब्रेरी में गूँजा 'युवा शक्ति' का संकल्प, भाजपा के दिग्गज नेताओं का मनाया जन्मदिन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित चूरू लाईब्रेरी में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जहाँ भाजपा के तीन प्रमुख चेहरों— राष्ट्रीय परिषद सदस्य व पूर्व जिलाध्यक्ष ओम सारस्वत, जिला सोशल मीडिया संयोजक रमेश शर्मा और अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खान का जन्मदिवस मनाया गया।सम्मान और सत्कार की परंपरा कार्यक्रम की शुरुआत बी.एन. राजोतिया (राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारतीय विश्वकर्मा छात्र एवं युवा संघ) के नेतृत्व में केक काटकर की गई। अतिथि स्वागत: भाजपा जिला सह संयोजक सुरेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। परंपरागत सत्कार: रेखा जांगिड़ ने तिलक लगाकर अतिथियों का अभिनंदन किया, जबकि लक्ष्मी कस्वा और सोनू जांगिड़ ने दुपट्टे पहनाकर अतिथियों का सम्मान किया। युवाओं का जोश: इस अवसर पर अमित शर्मा, सुरेंद्र मेघवाल, मनीष प्रजापत, सोनू सिंह शेखावत सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। "भारतीय छात्र हैं विश्व में सर्वश्रेष्ठ" -ओम सारस्वत ने अपने संबोधन में युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि आज भारत का विद्यार्थी अपनी मेधा के दम पर दुनिया पर राज कर रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड काल में 100 से अधिक देशों की मदद करके भारत ने अपनी शक्ति का लोहा मनवाया है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश की "आन, बान और शान" बताया। आधुनिक शिक्षा का केंद्र: चूरू लाईब्रेरी अखिल भारतीय विश्वकर्मा छात्र एवं युवा संघ के राष्ट्रीय महासचिव बी.एन. राजोतिया ने लाईब्रेरी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया: "चूरू लाइब्रेरी आज के दौर में आधुनिक ऑनलाइन शिक्षा के लिए जिले का सर्वश्रेष्ठ स्थान बन चुकी है। यहाँ की सुविधाओं का लाभ उठाकर अनेक युवाओं ने सफलता प्राप्त की है और सरकारी सेवाओं में चयनित होकर अपना भविष्य संवारा है।"

मेडिकल भर्तियों में 'मेरिट प्लस बोनस' अंकों की मांग को लेकर संविदा कर्मियों का सरकार के खिलाफ मोर्चा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा में प्रदेश में आगामी मेडिकल भर्तियों में 'मेरिट प्लस बोनस' अंकों की मांग को लेकर संविदा और निविदा कर्मियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपनी मांगों को मनवाने के लिए 5 फरवरी को जयपुर में होने वाले बड़े आंदोलन की तैयारियों के तहत जिला अस्पताल महवा में पीले चावल बांटकर कर्मियों को आमंत्रित किया गया। प्रदेश में अब तक नर्सिंग ऑफिसर, फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल स्टाफ, ANM और 108 एम्बुलेंस कर्मियों की जितनी भी भर्तियां हुई हैं, वे मेरिट और बोनस अंकों के आधार पर ही हुई हैं। संविदा कर्मियों के अनुसार, वे बेहद अल्प वेतन पर सेवाएं देते हैं, जिसके बदले सरकार उन्हें बोनस अंक देकर स्थायी नौकरी का अवसर देती है।अब सरकार और कुछ अधिकारी 1965 के नियमों में बदलाव की तैयारी कर रहे हैं, जिसका कर्मचारी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। इसको लेकर पिछले कई महीनों से उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों को ज्ञापन देने के बावजूद कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। इसी के विरोध में आज पूरे प्रदेश में पीले चावल बांटकर कर्मियों को 5 फरवरी के जयपुर कूच के लिए न्योता दिया गया।इस मुहिम को परमानेंट नर्सिंग यूनियन का भी साथ मिला है। कार्यक्रम के दौरान जिला चिकित्सालय महवा के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, फार्मासिस्ट और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।संविदा कर्मियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे और जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने सरकार से अपील की है कि वे उनकी मांगों पर विचार करें और उन्हें न्याय दिलाएं।

मंडावर में माँ ज्वाला माता की भव्य कलश यात्रा

-भक्तों ने पुष्प वर्षा और भजनों के साथ मनाया धार्मिक उत्सव

महवा (रॉयल पत्रिका)। गांव मंडावर में स्थित 1008 लच्छी दास महाराज मंदिर से माँ ज्वाला की विशाल कलश यात्रा निकली, जिसने पूरे गांव को भक्ति के रंग में रंग दिया। यात्रा के दौरान भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई और डीजे पर माता के भजनों पर महिला एवं पुरुष नाचते-गाते हुए कलश यात्रा का आनंद लिया।कलश यात्रा का भव्य मार्ग कलश यात्रा गांव मंडावर के गाँधी चौक, बस स्टैंड, सम्पूर्ण बाजार से होते हुए थोड़ी बाले हनुमान जी मंदिर तक पहुंची और पुनः लच्छी दास मंदिर पर सम्पन्न हुई। इस दौरान जगह-जगह भक्तों ने माँ ज्वाला की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया। भक्तों के लिए जगह-जगह जलपान और प्रसाद की व्यवस्था की गई माँ ज्वाला की भव्य कलश यात्रा ने मंडावर के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। इस यात्रा ने पूरे गांव को एकजुट कर दिया है और माँ ज्वाला के प्रति भक्तों की श्रद्धा को बढ़ावा दिया है। इस अवसर पर नत्थी लाल सैनी, भब्बल राम सैनी, बिसम्भर सैनी, बल्ला सैनी, प्रेम चंद सैनी, मुरारी सैनी, विजय सिंह, मोनू सैनी, धरमु सैनी, योगेश सैनी, दिलीप जोशी, सोनू शर्मा, जीतू शर्मा, मनु शर्मा, कुलदीप सैनी, प्रभु लाला सैनी, लखन, रतन सैनी, महेश मंडावर, ब्रजमोहन सैनी एवं समस्त ग्राम बसी मौजूद थे।

वर्ल्ड कैंसर डे पर हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता पोस्टर के जरिए लिया संकल्प

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में 'हस्ताक्षर अभियान और पोस्टर प्रतियोगिता' का सफल आयोजन किया गया। इस बार वर्ल्ड कैंसर डे 2026 की थीम "यूनाइटेड बाय यूनिक" रही। इस सिग्नेचर कैंपेन में 400 से ज़्यादा स्टूडेंट्स, फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ ने कैंसर जागरूकता के लिए अपना सपोर्ट दिखाने के लिए इसमें हिस्सा लिया और साइन किए। डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि ऐसे कैंपेन कैंसर की रोकथाम, जल्दी पता लगाने और कैंसर मरीज़ों की मदद करने के बारे में जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाते हैं। स्टूडेंट्स ने कैंसर की रोकथाम और हेल्दी लाइफस्टाइल पर फोकस करते हुए जागरूकता पोस्टर भी पेश किए। फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरेपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. समृद्धि सचदेव, डॉ. मुजफ्फर कुरैशी ने एक जागरूकता व्याख्यान भी दिया। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोग्राम इंचार्ज सलमान खान ने हेल्दी लाइफस्टाइल, रेगुलर फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी खाने की आदतों को अपनाने की अपील की। उन्होंने जंक फूड से बचने, तंबाकू छोड़ने और सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने स्टूडेंट्स से अपने परिवारों और समुदायों में हेल्थ एंबेसडर के तौर पर काम करने का भी आग्रह किया। प्रोग्राम का समापन असिस्टेंट प्रोफेसर शोएब अली के नेतृत्व में एक शपथ समारोह के साथ हुआ, जिसमें स्टूडेंट्स ने जागरूकता फैलाने और हेल्दी आदतों को अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. राजकुमार माथुर, असिस्टेंट प्रोफेसर प्रहलाद बोहरा, डॉ. नूर हसन, डॉ. अहमद अब्दुल्ला खान, मारूफ शेख, मोहम्मद आमिर, रुइया जमाल, सुमैया, रशदा कुरैशी, डॉ. अब्दुल्ला खालिद, डॉ. अजीजुल हसन, डॉ. मरजीना सहित कई स्टूडेंट्स मौजूद रहे।

सातडा गांव में सम्मान रूपी कंबल वितरण समारोह सम्पन्न

चूरू/सातडा (रॉयल पत्रिका)। गांव सातडा में स्व: भगवानदास सर्राफ की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र विजय कुमार सर्राफ एवं परिवारजनों द्वारा कंबल सम्मान रूपी कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारन, पूर्व प्रधान रणजीत सातडा थे। कार्यक्रम में चूरू विधायक हरलाल सहारण ने संबोधित करते हुए कहा कि यह सामाजिक सरोकारों के तहत पुनित कार्य है, पूर्व प्रधान रणजीत सातडा ने सर्राफ परिवार के योगदान की सराहना की, यह कार्यक्रम जयप्रकाश सातडा की प्रेरणा से संपन्न हुआ, कार्यक्रम में दानाराम मेघवाल, रामस्वरूप मेघवाल, शंकरलाल रोलण, लक्ष्मण न्यौल, नागरमल शर्मा, सुरेंद्र गर्ग, सत्यनारायण स्वामी सहित बड़ी संख्या में गणमान लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश सातडा ने किया, पूर्व प्रधान रणजीत सातडा ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुएं में गिरी नीलगाय को ग्रामीणों ने सुरक्षित निकाला

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। उपखंड क्षेत्र के गांव चिनायटा में गुरुवार को कुएं में गिरी नीलगाय को ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत रेस्क्यू कार्य शुरू किया। सामाजिक कार्यकर्ता नमोनारायण डागुर के अनुसार नीलगाय के कुएं में गिरने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने रस्सियों की सहायता से उसे बाहर निकाला। बाहर निकालने के बाद नीलगाय का प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि समय रहते रेस्क्यू होने से नीलगाय को कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। इस दौरान भीकम, नमोनारायण डागुर, हरभान, विष्णु, अशोक, टीकाराम, खेड़ी हैवत, लोकेश, सूरज, सुनील, घनश्याम, प्रीत, विनोद, सुरेंद्र डागुर सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

महवा में स्मैक बेचने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार, 6.94 ग्राम स्मैक बरामद

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा थाना पुलिस ने अवैध रूप से स्मैक बेचने के मामले में एक जने को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से स्मैक बरामद की है। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते जा रहे अवैध नशे के कारोबार को लेकर पुलिस द्वारा स्पेशल टीम गठित की गई है। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में पकड़ा गया आरोपी जांगिड़ धर्मशाला कानूनगो मोहल्ला निवासी मोहन शर्मा पुत्र गुलाबचंद शर्मा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6.94 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। आरोपी को पूर्व में भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को लेकर गिरफ्तार किया जा चुका है। मादक पदार्थ तस्करों में हड़काम थाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थों की बिक्री को लेकर यह एक सप्ताह के अंदर दूसरी बड़ी कार्रवाई है। जिससे मादक पदार्थ तस्करों में हड़काम मचा हुआ है।

पदमपुर पुलिस की नशे पर बड़ी कार्रवाई, 5400 अवैध कैप्सूल बरामद

-एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में पदमपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 5400 अवैध नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 24 बीबी तिराहे पर की गई। थानाधिकारी सुमन जयपाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली, जिसमें उसके पास से भारी मात्रा में अवैध नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आरोपी की पहचान पदमपुर वार्ड नंबर-16 निवासी के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध सप्लाई में संलिप्त होने की आशंका है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल कालूराम एवं सुमित कुमार की विशेष भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौरा का गंगापुर सिटी आगमन

-युवाओं से करेंगे संवाद

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा युवा मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा कल दिनांक 06 फरवरी 2026 को गंगापुर सिटी दौरे पर रहेंगे । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि नवनियुक्त युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा के पहली बार गंगापुर सिटी आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अगुवाई में युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता गंगापुर सिटी बाईपास मोड पर उनका अभिनंदन करेंगे । प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा अपने दौरे के दौरान युवाओं से संवाद करेंगे और बजट पर चर्चा करेंगे । युवा संवाद कार्यक्रम के जिला प्रभारी और युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा धौलपुर, करौली होते हुए सांय 4 बजे गंगापुर सिटी पहुंचेंगे जहां जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अगुवाई में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका भव्य अभिनंदन और स्वागत किया जाएगा, जिलेभर से भाजपा एवं युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी एवं मंडल पदाधिकारी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे ।

10 लाख करोड़ लुटाने के बाद कैसा है बाजार का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में रविवार को भारी गिरावट आई थी। छुट्टी होने के बावजूद बजट के कारण कल शेयर बाजार खुला था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण शुरू होने से पहले सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा तेजी के साथ ट्रेड कर रहा था। लेकिन सीतारमण का भाषण खत्म होने के बाद इसमें करीब 3,000 अंक की गिरावट आई। अंत में

यह 1546 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज शेयर बाजार में काफी उथलपुथल दिख रही है। 11.24 बजे बीएसई सेंसेक्स 315.88 अंक यानी 0.39 प्रतिशत गिरावट के साथ 80,407.06 अंक पर ट्रेड कर रहा था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 143.15 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,682.30 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इंटरग्लोब एविएशन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड के शेयरों में 1 से 2 फीसदी तक तेजी आई। हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों में 6.5 फीसदी तेजी आई है। पिछले दो सत्र में इसमें 21 फीसदी गिरावट आई थी। चांदी की कीमत में भारी गिरावट के बावजूद हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में करीब 4 फीसदी तेजी आई। एमसीएक्स के शेयरों में 4 फीसदी गिरावट आई है। पिछले तीन सत्र में यह 20 फीसदी गिर चुका है। इस बीच सिगरेट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। सिगरेट पर अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी 1 फरवरी से लागू हो गई है। इससे आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में 5.5 फीसदी तक गिरावट आई। गॉडफ्रे फिलिप्स को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। कंपनी का शेयर 5,5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,885 रुपये तक लुढ़क गया। वीएसटी इंडस्ट्रीज में 2.6 फीसदी और आईटीसी के शेयरों में 2.2 फीसदी गिरावट आई।

अनिल अंबानी के पावर शेयर के बुरे हाल, 65 प्रतिशत से ज्यादा टूटा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों के बुरे हाल हैं। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में इंट्राडे के दौरान 4 पर्सेंट से अधिक टूटकर 26.06 रुपये पर पहुंच गए हैं। पावर कंपनी के शेयर सोमवार को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 65 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर भी 52 हफ्ते के नए लो पर पहुंच गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 5 पर्सेंट के

लोअर सर्किट के साथ 121.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से 65 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़क गए हैं। अनिल अंबानी की पावर कंपनी के शेयर 11 जून 2025 को 76.49 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 फरवरी 2026 को 26.06 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में 27 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है। वहीं, छह महीने में पावर कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। पिछले 8 महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में 63 पर्सेंट की गिरावट आई है। अनिल अंबानी की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले 6 महीने में 59 पर्सेंट टूट गए हैं। शेयर 4 अगस्त 2025 को 296.05 रुपये पर थे।

बजट में भी ऐलान, कर्मचारियों में हड़कंप

बिक रहा आईडीबीआई बैंक, तीसरे चरण में पहुंचा प्रोसेस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया अब तीसरे चरण में पहुंच गई है। विनिवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग

के सचिव अरुणिश चावला ने बताया कि अब इस प्रक्रिया के तहत तकनीकी और वित्तीय बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में अभी थोड़ा समय लगेगा, लेकिन मौजूदा वित्त वर्ष के खत्म होने से पहले सरकार इस पर और जानकारी साझा कर सकती है। इससे यह साफ है कि सरकार आईडीबीआई बैंक के निजीकरण को आगे बढ़ाने के मूड में है। इधर, शेयर बाजार में कारोबार के दौरान बैंक के शेयर करीबन 1 पर्सेंट तक गिर गए थे और यह 97 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

चावला ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार अब सिर्फ विनिवेश नहीं, बल्कि सरकारी संस्थानों के पुनर्गठन पर भी ध्यान दे रही है। खासतौर पर नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों को रणनीतिक क्षेत्रों में मजबूत भूमिका देने की योजना है। उन्होंने बताया कि पावर सेक्टर में पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन को मिलाकर एक मजबूत केंद्रीय एनबीएफसी बनाने की कोशिश की जा रही है। यह संस्था राज्य बिजली कंपनियों, डिस्कॉम, ट्रांसमिशन और पावर जेनरेशन कंपनियों को फाइनेंस देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इस बीच, बिजनेस लाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीबीआई अधिकारियों और कर्मचारियों के यूनाइटेड फोरम के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री से मुलाकात का समय मांगा है, ताकि वे आईडीबीआई बैंक को निजी/विदेशी कंपनियों को बेचने के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर सकें। फोरम के संयोजक देविदास तुलजापुरकर तथा संयुक्त संयोजक र प्रतिशताकर वानखेडे और विठ्ठल कोटेश्वर राव ने बिज़नेसलाइन को बताया कि राष्ट्रपति से बड़े राष्ट्रीय हित में हस्तक्षेप की मांग करते हुए एक ऑनलाइन याचिका भी दायर की गई है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे से अवगत कराने और केंद्र सरकार को 'देश और आम जनता के हित में' इस प्रस्ताव से पीछे हटने के लिए समर्थन जुटाने हेतु सभी राजनीतिक दलों से अलग-अलग संपर्क किया जा रहा है।

सिगरेट कंपनियों का निकला धुआं, दाम बढ़ने के बाद लुढ़क गए शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टोबैको और सिगरेट कंपनियों के शेयर सोमवार को धड़ाम हो गए हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, आईटीसी और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर सोमवार को 5.5 पर्सेंट तक टूट गए। रविवार 1 फरवरी 2026 से नई एक्साइज ड्यूटी लागू होने के बाद सिगरेट के दाम में तेज उछाल आया है और इसी से इन कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। पॉलिसी चेंज अनाउंसमेंट के बाद से गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, आईटीसी और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर लगातार दबाव में हैं। 31 दिसंबर 2025 से लेकर अब तक गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, आईटीसी और ङ्कस्ञ्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 32 पर्सेंट तक की गिरावट आई है। सिगरेट एंड टोबैको प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर सोमवार को बीएसई में 5.53 पर्सेंट की गिरावट के साथ 1884.35 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। 31 दिसंबर 2025 के बाद से अब तक गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयरों में करीब 32 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर पिछले 6 महीने में 37 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 3945 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1515.35 रुपये है। आईटीसी लिमिटेड के शेयर सोमवार को 2 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट के साथ 303 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर पर जा पहुंचे हैं। 31 दिसंबर 2025 से लेकर अब तक आईटीसी के शेयरों में 24 पर्सेंट की गिरावट आई है। अगर पिछले 6 महीने की बात करें तो आईटीसी के शेयरों में 27 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है।

ऑफिस की भारी-भरकम अंग्रेजी से युवा परेशान

जेन-जी कर रहे बदलने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दफ्तर में इस्तेमाल होने वाले भारी-भरकम अंग्रेजी शब्द युवाओं को परेशान कर रहे हैं। जेन-जी (1997-2012 के बीच जन्मे) इन शब्दों को सुनकर भ्रमित हो रहे हैं और इन्हें बदलने की मांग कर रहे हैं। अमेरिका स्थित भाषा सिखाने वाले प्लेटफॉर्म 'प्रेपली' ने इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश की है। अगर बॉस कहे कि 'हमें इस प्रोजेक्ट

के लिए सिनर्जी की जरूरत है' या 'क्या आपके पास इसके लिए बैंडविड्थ है', तो मुमकिन है कि एक युवा कर्मचारी का सिर चकरा जाए। भाषा विशेषज्ञों के अनुसार, हजारों युवा हर महीने गूगल पर इन शब्दों का मतलब सर्च करते हैं। रिसर्च से पता चला है कि 'सिनर्जी इस लिस्ट में सबसे ऊपर है, जिसे हर महीने करीब 40,500 युवा सर्च करते हैं। इसके बाद 'पैराडाइम' (27,000 सर्च) और 'बेस्ट प्रैक्टिस' जैसे शब्दों का नंबर आता है। आज के युवा ऐसी भाषा पसंद करते हैं जो सीधी, सरल और पारदर्शी हो। उनके लिए ऑफिस के ये पारंपरिक मुहावरे दिखावटी और भ्रम पैदा करने वाले हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी कर्मचारी को काम के दौरान किसी शब्द का मतलब गूगल करना पड़ रहा है, तो इसका मतलब है कि बातचीत का तरीका प्रभावी नहीं है। जेन-जी का मानना है कि कॉर्पोरेट जगत की अंग्रेजी भाषा अब डिजिटल युग की बातचीत में 'बेमेल' लगती है।

होम लोन के ब्याज पर बजट में बड़ा ऐलान, मिडिल क्लास के लिए खुशखबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट में मिडिल क्लास के हित के कई अहम ऐलान किए गए हैं। इसके साथ ही घर खरीदने वालों को भी बड़ी राहत दी गई है। इसके तहत स्वयं के कब्जे वाली संपत्ति के मामले में होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली 2 लाख रुपये तक की आयकर कटौती में अब संपत्ति के अधिग्रहण या निर्माण से पहले दिया गया ब्याज भी शामिल किया जाएगा। आसान भाषा में समझें तो अगर आपने घर बनाने या खरीदने के लिए लोन लिया और कब्जा मिलने से पहले भी ब्याज चुकाया है, तो अब उस ब्याज को भी जोड़कर कुल 2 लाख रुपये तक की टैक्स छूट मिल सकेगी।

सरकार इसके लिए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 की धारा 22(2) में संशोधन करेगी। यह नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए टैक्स कानून के तहत होगा। अब तक सेक्शन 22(2) के तहत खुद के कब्जे वाल प्रॉपर्टी पर लिए गए होम लोन के ब्याज पर अधिकतम 2 लाख रुपये की ही छूट मिलती थी लेकिन इस सीमा में घर बनने या कब्जा मिलने से पहले का ब्याज साफ तौर पर शामिल नहीं था। अब बजट के प्रस्ताव के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली 2 लाख रुपये की छूट में प्री-पीरियड इंटरेस्ट भी शामिल हो।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में कुल 53.5 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करते हुए छोटे उद्यमों एवं मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की। अबतक के सर्वाधिक 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के साथ इस

बजट में बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक रूपरेखा पेश की गई है। व्यक्तिगत आयकर स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया, लेकिन सरकार ने निवेश को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए अनुपालन को आसान बनाने के उद्देश्य से कर और प्रोत्साहन उपायों की घोषणा की।

अन्य उपायों में विदेशी पर्यटन पैकेज की बिक्री पर टीसीएस (स्रोत पर कर संग्रह) को घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि विदेश में शिक्षा और उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत चिकित्सा खर्चों पर भी इसे घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। सीतारमण ने कहा कि नया आयकर अधिनियम, 2025, एक अप्रैल से लागू होगा और इसके सरल नियम और फॉर्म जल्द ही जारी किए जाएंगे।

बजट 2026 इंफ्रास्ट्रक्चर से होने वाली वृद्धि को मज़बूत करता है

सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन को सीमेंट सेक्टर में तेज़ी की उम्मीद है

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सी एम ए) ने केन्द्रीय बजट 2026-27 का स्वागत किया है। यह देश के विकास के लिए लोगों की उम्मीदों को मज़बूत करने और सबको साथ लेकर चलते हुए लोगों की उम्मीदों को संतुलित करने के लिए है। यह बजट भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 2047 तक विकसित भारत और आत्मनिर्भरता के विज़न से प्रेरित है।

बजट पिछले 12 सालों में भारत की स्थिर आर्थिक रफ़्तार को दिखाता है, जिसकी पहचान वित्तीय अनुशासन, लगातार वृद्धि और मध्यम मुद्रास्फीती है, और यह सीमेंट जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सेक्टर्स के लिए मज़बूत मांग दिखाता है। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज़ोर दिया गया है, जिसमें सार्वजनिक पूंजी व्यय वित्त वर्ष 2025-26 में 11.2 लाख करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ हो गया है। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा माना गया है, जिससे भारतीय सीमेंट उद्योग के लिए अच्छी संभावनाएं बन रही हैं और सीमेंट सेक्टर की दीर्घकाल में विज़िबिलिटी बेहतर हो रही है। 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर 2 और टियर 3 शहरों पर ज़ोर और पांच सालों में हर सीईआर के लिए 5,000 करोड़ के आवंटन के साथ सिटी इकोनॉमिक रीजन (सीईआर) बनाने से आवास, परिवहन और शहरी सेवाओं में निर्माण गतिविधि में तेज़ी आनी चाहिए, जिससे सीमेंट की खपत को बड़े पैमाने पर सपोर्ट मिलेगा। बजट में घोषित लॉजिस्टिक्स और

कनेक्टिविटी के उपाय सीमेंट इंडस्ट्री के लिए खास तौर पर ज़रूरी हैं। नए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की घोषणा, अगले पांच सालों में 20 और राष्ट्रीय जलमार्गों का परिचालन, 2047 तक वॉटरवेज़ और कोस्टल शिपिंग का मॉडल शेयर 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने के लिए कोस्टल कार्गो प्रमोशन स्कीम की शुरुआत, और शिप रिपेयर ईकोसिस्टम के विकास से मल्टीमॉडल फ्रेट क्षमता बढ़ेगी, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और सेक्टर का कार्बन फुटप्रिंट बेहतर होगा। ग्रोथ कॉरिडोर के तौर पर सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा से उम्मीद की जा सकती है कि क्षेत्रीय विकास और निर्माण मांग और बढ़ेगी। इस बजट पर सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सी एम ए) के प्रेसिडेंट, श्री पार्थ जिंदल ने कहा, ''जैसे-जैसे भारत एक विकसित देश बनने की ओर बढ़ रहा है, केन्द्रीय बजट में बताए गए तीन कर्तव्य देश की वृद्धि और उम्मीदों के लिए एक स्पष्ट संदर्भ देते हैं, जो इकोनॉमिक मोमेंटम को क्षमता निर्माण और समावेशी प्रगति के साथ

जोड़ते हैं। सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सी एम ए) विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता, शहरी विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिकिकरण पर लगातार जोर देने के लिए केन्द्रीय 2026-27 की प्रशंसा करता है, जिसे जी एस टी सरलीकरण, लेबर कोड, क्वालिटी कंट्रोल रैशनलाइजेशन और राज्यों के साथ कोऑर्डिनेटेड डीरेगुलेशन जैसे 350 से ज्यादा सुधारों का सहयोग मिला है। ये सुधार, आत्मनिर्भरता के तहत युवा शक्ति और स्वदेशी विनिर्माण क्षमता पर बजट के फोकस के साथ, सीमेंट जैसे कैपिटल इंटेंसिव सेक्टर्स के लिए निवेश का माहौल मजबूत करेंगे। केन्द्रीय बजट 2026-27 दिखाता है कि सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित विकास पर फोकस कर रही है, जो भारत की वृद्धि रणनीति का एक ढांचागत स्तंभ बनकर उभर रहा है। सीमेंट समेत अलग-अलग सेक्टरों के लिए 20,000 करोड़ का सीसीयूएस व्यय, भारत के अधिक उत्सर्जन वाले उद्योगों के लिए डीकार्बनाइज़ेशन के माहौल को पूरी तरह से बदल देगा।

एलआईसी से एसबीआई तक, इस चर्चित आईपीओ में हिस्सेदारी बेचने की कर रहे तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड आईपीओ का इंतजार अब खत्म होने वाला है। दरअसल, बाजार नियामक सेबी की ओर से एनओसी मिलने के बाद अब इस आईपीओ की तैयारी शुरू हो गई है। आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के तहत टेमासेक होल्डिंग्स और लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यानी एलआईसी हिस्सेदारी बेचेंगे। ब्लूमबर्ग सूत्रों की मानें तो संभावित 2.5 बिलियन (22,900 करोड़ रुपये) के आईपीओ में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड भी सेलर के तौर पर हिस्सा ले सकते हैं। ये मौजूदा शेयरहोल्डर कंपनी की इक्विटी का 4 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत हिस्सा ऑफर करेंगे। सूत्र के मुताबिक एक्सचेंज के सभी 190,000 शेयरहोल्डर्स को आईपीओ के हिस्से के तौर पर सेकेंडरी सेल में हिस्सा लेने का ऑप्शन दिया जाएगा। बता दें कि एलआईसी की एसएसई में 10.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है और टेमासेक की लगभग 4.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। डेटा

से पता चलता है कि 31 दिसंबर, 2025 तक एसबीआई कैपिटल की भी लगभग 4.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी जबकि एसबीआई की हिस्सेदारी लगभग 3.2 प्रतिशत है। बताया जा रहा है कि एनएसई का बोर्ड कुछ दिनों में आईपीओ प्रोसेस की देखरेख के लिए अपने टॉप एग्जीक्यूटिव्स और एलआईसी और एसबीआई सहित बड़े शेयरहोल्डर्स के प्रतिनिधियों वाली एक कमेटी बना सकता है। बोर्ड की 6 फरवरी को दिसंबर 2025 को खत्म हुई तिमाही के फाइनेंशियल नतीजों को मंजूरी देने के लिए मीटिंग होने वाली है और इस कमेटी के गठन पर भी फैसला होने की संभावना है। कमेटी के काम में बोर्ड को इन्वेस्टमेंट बैंकर नियुक्त करने, फीस पर बातचीत करने, मौजूदा निवेशकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों की संख्या तय करने और ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस फाइल करने में मदद करना शामिल होने की उम्मीद है। हालांकि, अब तक किसी की ओर से आधिकारिक बयान नहीं आया है। एनएसई के शेयर अनलिस्टेड मार्केट में लगभग 2,150 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि इसका वैल्यूएशन लगभग 5.3 लाख करोड़ रुपये (58 बिलियन) है। बता दें कि एनएसईको आईपीओ की तैयारी शुरू करने के लिए रेगुलेटरी मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी 2016 में पहली बार लिस्टिंग के लिए आवेदन करने के लगभग एक दशक बाद मिली है। दरअसल, यह योजना सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस में कमियों और अनुचित मार्केट एक्सेस के आरोपों के बाद रुक गई थी। एसएसई ने बाद में इस मामले से संबंधित दो सेटलमेंट आवेदन दायर किए, जिसमें लगभग 1300 करोड़ रुपये का भुगतान करने का प्रस्ताव दिया गया।

विदेशों में पॉपर्टी खरीदी है तो बजट में अच्छे प्रावधान

विदेशी प्रॉपर्टी से आमदनी भारत में टैक्स लगेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस समय विदेशों में रियल एस्टेट में निवेश का चलन बढ़ा है। अब उद्योगपति या कारोबारी ही नहीं, प्रोफेशनल्स और नौकरीपेशा लोग भी विदेश में प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं। इसके पीछे कई वजहें हैं, जैसे बच्चों की पढ़ाई विदेश में होना या फिर अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर लगाना ताकि रिस्क कम हो। इनके लिए इस बार के बजट में भी घोषणा हुई है। इस बारे में जानते हैं चार्टर्ड अकाउंटेंट सी. कमलेश कुमार से।

अगर आप भारत के नागरिक हैं और विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदते हैं, तो आपको आरबीआई की एलआरएस यानीदारीकृत प्रेषण योजना का पालन करना होगा। रिजर्व बैंक की इस स्कीम के तहत, कोई भारतीय किसी वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2,50,000 ही विदेश भेज सकते हैं। ऐसा देखा गया है कि परिवार के सदस्य मिलकर अपने एलआरएस की लिमिट का इस्तेमाल कर लेते हैं। और फिर विदेश में एक प्रॉपर्टी खरीद लेते हैं। यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि आप चाहें तो किश्तों में भी पेमेंट कर सकते हैं। लेकिन, हर बार भेजी गई रकम साल की लिमिट

के अंदर होनी चाहिए। साथ ही यह ट्रांसफर बैंकिंग चैनल से ही होना चाहिए। दरअसल,विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के नियमों का पालन करने के लिए सही कागजात रखना बहुत जरूरी है। अब आपके मन में सवाल उठता होगा कि जब विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदी है तो उससे कुछ आमदनी भी होगी। उस पर कराधान के नियम क्या हैं। तो आप जान लें कि विदेश में खरीदी गई प्रॉपर्टी से होने वाली कमाई, भारत में रहने वाले लोगों के लिए यहां टैक्सेबल (कर योग्य) होती है। इसमें इसके कोई मायने नहीं होते कि किराये का भुगतान भारत में किया गया है या विदेश में। अगर आपको विदेश से किराया मिलता है, तो आपको इसकी जानकारी अपने भारतीय टैक्स रिटर्न में देनी होगी, भले ही उस पर विदेश में टैक्स लग चुका हो। अगर किसी आमदनी पर दो देशों में टैक्स लगता है, तो भारत के टैक्स ट्रीटी के तहत आपको विदेश में भरे गए टैक्स का क्रेडिट मिल सकता है। विदेशों में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए लिए आप बैंक से नियमानुसार लोन भी ले सकते हैं। बैंकों से लिए गए लोन पर आज जो ब्याज चुकाते हैं, उस पर आप टैक्स में छूट का क्लेम कर सकते हैं। लेकिन यहां यह देखना होगा कि वह तय लिमिट के अंदर हो। अगर आप विदेश में खरीदी हुई प्रॉपर्टी बेचते हैं और इस सौदे में आपको मुनाफा होता है, तो उस पर होने वाले कैपिटल गेन पर भी भारत में टैक्स भरना होगा। यहां भी टैक्स ट्रीटी के तहत फॉरेन टैक्स क्रेडिट का फायदा मिल सकता है, जिससे डबल टैक्सेशन से बचा जा सकता है।

एसटीटी का कहर जारी, 6 प्रतिशत और लुढ़का यह स्टॉक, बेचने की होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में आज बजट के एक दिन के बाद भी एसटीटी का कहर जारी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स में इजाफा किया है। जिसका असर ब्रोकिंग कंपनी ग्रो के शेयरों पर आज भी देखने को मिल रहा है। यह स्टॉक आज 6 प्रतिशत लुढ़क गया। इससे पहले रविवार को बजट के दिन भी भारी गिरावट कंपनी के शेयरों में देखने को मिली थी। बिलियनब्रेन्स गैरेज वेंचर्स लिमिटेड के शेयर आज बीएसई में 166.80 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद 157 रुपये के लेवल पर आ गया था। महज दो कारोबारी दिन में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की गिरावट आई है। फ्यूचर्स पर एसटीटी को मौजूदा 0.02 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.05 प्रतिशत करने का प्रस्ताव घोषित किया, जबकि विकल्प प्रीमियम और ऑप्शंस कारोबार पर एसटीटी को मौजूदा 0.1 प्रतिशत और 0.125 प्रतिशत की दर से बढ़ाकर 0.15 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। बजट के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीतारमण ने कहा कि सरकार फ्यूचर एंड ऑप्शंस कारोबार के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहती है कि भारी नुकसान का सामना कर रहे छोटे निवेशक सट्टेबाजी वाले एफएंडओ बाजार से दूर रहें। सीतारमण ने कहा, यह मामूली वृद्धि पूरी तरह से सट्टेबाजी को लक्षित है। हम इसके (एफएंडओ कारोबार) खिलाफ नहीं हैं, लेकिन छोटे निवेशकों को नुकसान हो रहा है, तो हम चुप कैसे रह सकते हैं। इसलिए, एफएंडओ पर एसटीटी में यह वृद्धि ऐसे निवेश को रोकने के लिए है। आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड के सीईओ फेरोज अजीज ने कहा, वायदा और विकल्प पर एसटीटी में वृद्धि से डेरिवेटिव व्यापारियों के लेन-देन की लागत में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी जिससे उनकी रणनीतियों पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह बाजार में डेरिवेटिव लेन-देन की मात्रा कम कर सकता है।

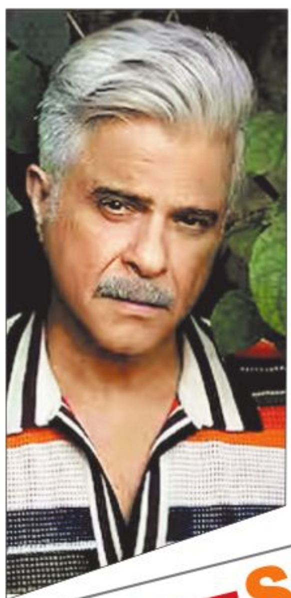

पहली बार सफेद बालों और मूछों में दिखे अनिल कपूर

मुंबई। अनिल कपूर बॉलीवुड के एवरग्रीन एक्टर कहे जाते हैं। 69 साल की उम्र में भी अनिल कपूर बेहद हैंडसम और फिट हैं। इस बीच अभिनेता अपने नए लुक को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में अपना नया लुक सोशल मीडिया पर साझा किया है। सोशल मीडिया पर वह अक्सर फैंस के साथ अपने फिटनेस वीडियो भी शेयर करते हैं। हाल ही में अनिल कपूर ने अपना नया लुक सोशल मीडिया पर साझा किया। उसमें वह सफेद बालों और मूछों में नजर आ रहे हैं और पोज दे रहे हैं। ये तस्वीर शेयर करते हुए अनिल कपूर ने कैप्शन में लिखा- 'कोई नहीं जानता.... आगे क्या होने वाला है।'

लाइफ Style

तापसी
एक बार फिर कोर्टरूम में

एजेंसी ⏭ जयपुर

तापसी पन्नू एक बार फिर कोर्टरूम जॉनर में वापसी के लिए तैयार हैं। इस बार वह निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है और इसकी शुरुआत जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई।

फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोजाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोजिशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है।

हॉलीवुड मसाला

'द डेविल वियर्स...' का ट्रेलर रिलीज

लॉस एंजेलिस। फरवरी 2026 की शुरुआत एक जबरदस्त खबर के साथ हुई है। साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 2006 की कल्ट क्लासिक फिल्म का यह सीक्वल करीब दो दशक बाद मेरिल स्ट्रीप, ऐनी हैथवे और एमिली ब्लंट की आइकॉनिक तिकड़ी को पर्दे पर वापस ला रहा है। ट्रेलर में, फैशन मैगजीन रनवे की एडिटर-इन-चीफ मिरांडा प्रीस्टली, मुश्किल में फंसे प्रिंट मीडिया सेक्टर में अपने एंटरप्राइज को फिर से जिंदा करने की कोशिश करेंगी।

केट के बेटे एंडर्स ने रखा अभिनय की दुनिया में कदम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री केट विंसलेट के 22 वर्षीय बेटे जो एंडर्स भी अब अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। जो एंडर्स के पिता केट के पूर्व पति सैम मेंडेस हैं। जो नई सीरीज 'केप फियर' में काम कर रहे हैं। केट ने बताया कि बेटे के इस दौर में वह उसे पूरा सहारा दे पा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनका बेटा अभी उसी "री-एंट्री" के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में मां होने का एहसास फिर से बहुत गहराई से जाग जाता है। उन्होंने बताया कि वह बेटे को अच्छे खाने, सैर करने और आराम करने के लिए प्रेरित करती हैं। अगर बात करने का मन न हो या पूरा दिन बिस्तर में रहना चाहें, तो वह भी बिल्कुल ठीक है। केट का मानना है कि कभी-कभी कुछ न करना भी ठीक होता है और खुद को इसके लिए दोषी महसूस नहीं करना चाहिए।

मैं कभी हार नहीं मानूंगी : पायल

हैदराबाद। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी। पायल ने लिखा कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है।

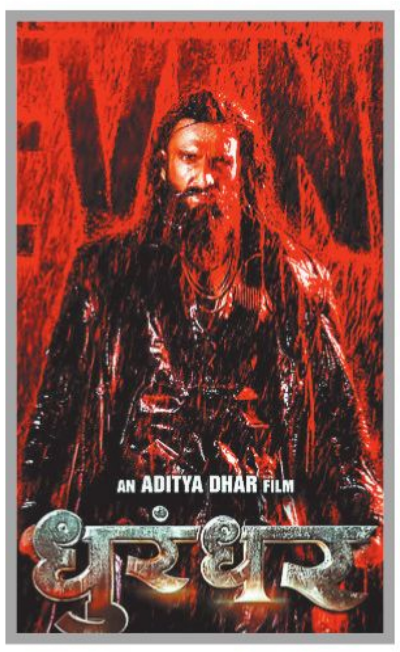

'धुरंधर-2' का धमाकेदार टीजर आउट...

मुंबई। रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' के सीक्वल 'धुरंधरः द रिवेंज' का ऑफिशियल टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर का सोशल मीडिया पर धमाल देखने को मिला। पहले पार्ट की जबरदस्त सफलता के बाद यूजर्स इस सीक्वल के लिए उत्साहित नजर आए। टीजर करीब 1 मिनट 12 सेकंड लंबा है, जिसमें रणवीर सिंह का इंटेंस और खूंखार लुक सामने आया है। वह दो अलग-अलग किरदारों में नजर आ रहे हैं, जिसमें गोलीबारी, मारकाट और हाई-वोल्टेज एक्शन से भरपूर सीन हैं। टीजर की लाइन खास तौर पर चर्चा में है-"ये नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी।" फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर ने पहले पार्ट की तरह ही इस सीक्वल में भी एक्शन, थ्रिलर और इमोशनल ड्रामा का शानदार मिश्रण किया है।

नए गाने की तैयारी में जुटी अक्षरा...

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह अपने प्रोजेक्ट और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेत्री ने नए गाने का संकेत देते हुए तस्वीर शेयर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। इसमें वे हाथ में कप लिए हुए, कंडेसर माइक्रोफोन के सामने खड़ी दिख रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश।" अक्षरा की तस्वीर देख फैंस नए प्रोजेक्ट आने का अंदाजा लगा रहे हैं। उनका कहना है कि यह किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट का संकेत हो सकता है। अक्षरा का नाम भोजपुरी सिनेमा में उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं। उनके गाने दर्शकों के बीच खूब पसंद किए जाते हैं। वहीं, अभिनेत्री भी किसी खास मौके से पहले गाना जरूर रिलीज करती हैं। अभी हाल ही में अक्षरा का एक नया गाना 'बालम जी' रिलीज हुआ था और इसे दर्शक भी काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेत्री ने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म 'सत्यमेव जयते' से शुरुआत की थी। अक्षरा 'बिग बॉस ओटीटी' समेत 'सर्विस वाली बहू', 'पोरस', और 'काला टीका' जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं।

अपारशक्ति और तुलसी का गाना 'निक्की निक्की गल' रिलीज

टी-सीरीज अपने प्रशंसकों के लिए अक्सर मजेदार गाने पेश करता रहता है। टी-सीरीज ने मंगलवार को अपने दर्शकों के लिए रोमांटिक सॉन्ग 'निक्की निक्की गल' रिलीज किया। इस गाने में एक बार फिर से अपारशक्ति खुराना और तुलसी कुमार की जुगलबंदी देखने को मिल रही है। गाने को दोनों ने मिलकर अपनी आवाज में गाया है और एक बार फिर प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। वहीं, साक्षी रत्ती ने गाना लिखने के साथ इसका संगीत भी तैयार किया है।

मुंबई। टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने की जानकारी देते हुए एक क्लिप शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, थोड़ी सी नाराजगी पर बहुत सारा प्यार। 'निक्की निक्की गल' गाना अब रिलीज हो गया है। गाने की कहानी बहुत प्यारी है। इसमें छोटी-छोटी बातों पर होने वाली नाराजगी को प्यार से सुलझाने की बात पर जोर दिया गया है। अपारशक्ति खुराना गाने में तुलसी कुमार को प्यार भरे अंदाज में समझाते नजर आते हैं कि छोटी नाराजगी पर इतना गुस्सा नहीं करना चाहिए। गीत के बोल बेहद सरल, मजेदार और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े हुए हैं, जिस वजह से ये गाना हर उम्र के लोगों को पसंद आ रहा है। वीडियो में अपारशक्ति और तुलसी की केमेस्ट्री आकर्षक दिखाई गई है। इसमें कुछ शादी के सीन भी दिखाए गए हैं। गाने को साधारण लेकिन बेहद प्यारे अंदाज में पेश किया गया है, जिसमें न तो ज्यादा ड्रामा है और न ही कोई भारी-भरकम सेटिंग।

फिल्मी दुनिया के शुरुआती दिन बेहद कठिन

मुंबई। फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। उन्होंने अपने जीवन में आए बदलावों पर बात की। मेधा राणा ने कहा, 'साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। मेधा ने कहा, 'जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।'

इंडस्ट्री में कोई किसी का फ्रेंड नहीं: शुभांगी

मुंबई। टेलीविजन की मशहूर शुभांगी अत्रे इन दिनों आगामी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में फ्रेंडशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। शुभांगी ने कहा कि इस इंडस्ट्री में कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है। शुभांगी ने कहा, देखिए, यहां पर कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है, क्योंकि यहां पर लोगों में कॉम्पीटिशन और एक दूसरे को लेकर इंसीक्योरिटी बहुत ज्यादा है। जब एक शो चलता है, तब आप बहुत अच्छे दोस्त होते हैं, लेकिन जैसे ही आप उस शो से निकलते हैं, वो रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। फिर आप अपनी जिंदगी की एक नई यात्रा शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि एक एक्टर होने की सबसे अच्छी बात ये है कि आप खुद को लगातार खोजते और समझते रहते हैं। शुभांगी ने कहा, इसलिए यहां बेस्ट फ्रेंड जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। हां, इतना जरूर है कि जब तक हम साथ काम करते हैं, तब हम एक परिवार की तरह रहते हैं।

भारतीय कलाकारों ने दिखाई मजबूत दावेदारी

ग्रैमी अवॉर्ड में पुरस्कार से चूके भारतीय सितारे

लॉस एंजिल्स। संगीत जगत के ऑस्कर के नाम से मशहूर ग्रैमी अवॉर्ड्स के 68वें सीजन का आयोजन लॉस एंजिल्स में हुआ। इस बार कई भारतीय कलाकारों ने अपनी मजबूत दावेदारी दिखाई। हालांकि, वे पुरस्कार पाने में असफल रहे। इस बार ग्रैमी में कोई भी भारतीय कलाकार जीत नहीं सका। हालांकि, भारत का ग्रैमी इतिहास गौरवशाली रहा है। पंडित रवि शंकर से लेकर उस्ताद जाकिर हुसैन तक कई महान कलाकारों ने यह सम्मान अपने नाम कर भारत का परचम लहराया है।

अनुष्का ने 13वीं बार नामांकन पाकर रचा इतिहास

साल 2026 में भारतीय दावेदारों को जीत नहीं मिली, जबकि नामांकन सूची में तीन भारतीय नाम शामिल थे। पंडित रवि शंकर की बेटी और सितार वादक अनुष्का शंकर को ग्रैमी में दो नामांकन मिले थे। उनको सहयोगी ईपी चैप्टर आईआईआई वी रिटर्न टू लाइट को आलम खान और सरथी कोरवार के साथ बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम में और ट्रैक डेब्रेक को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस में नॉमिनेशन मिला था। अनुष्का ने 13वीं बार नामांकन पाकर इतिहास रचा, लेकिन दोनों श्रेणियों में वे जीत से चूक गईं।

चारू सूरी का पहला नामाकंन

ग्रैमी नॉमिनेशन में इंडो-अमेरिकी जैज पियानिस्ट चारू सूरी का नाम भी शामिल रहा। उन्होंने पहली बार नामांकन हासिल किया। उनका एल्बम श्यान बेस्ट कंटेम्परेरी इंस्ट्रुमेंटल एल्बम में शामिल था। इसके साथ ही फ्यूजन बैंड शक्ति (शंकर महादेवन, जॉन मैकलॉघलिन, गणेश राजगोपालन और वी. सेल्वागणेश के बैंड) को दो नामांकन मिले। उनका लाइव एल्बम माइंड एक्सप्लोसन बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम में और ट्रैक शेरनी ड्रीम बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस में था। शक्ति ने पहले भी ग्रैमी जीते हैं, लेकिन इस बार सफलता नहीं मिली।

भारतीय संगीत की बढ़ती ताकत

सिद्धांत भाटिया का एल्बम साउंड ऑफ महाकुंभ भी बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम में नामांकित था, जो उनकी पहली नामांकन थी। भारत इस बार पुरस्कार से चूक गया, लेकिन इन कलाकारों की वैश्विक पहचान भारतीय संगीत की बढ़ती ताकत और क्लासिकल, फ्यूजन और कंटेम्परेरी शैलियों में भारत का योगदान जारी है।

कोपा डेल रे : बार्सिलोना लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को हराया

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था।

बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

इंग्लिश लीग कप: आर्सेनल ने चेल्सी को हराया, फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▸▸| लंदन

आर्सेनल ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। काई हावर्ट्ज ने खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया, जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराया। इस तरह से उसने कुल मिलाकर 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है। इसके अलावा आर्सेनल एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच गया है। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में आर्सेनल का मुकाबला 22 मार्च को मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल से होगा। मैनचेस्टर सिटी की टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के बाद 2-0 से आगे है।

खबर संक्षेप

रोहित-कोहली को खेलना जारी रखना चाहिए : धोनी

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए कहा है कि उन्हें कोई यह न बताए कि वे खेलना जारी रख सकते हैं या नहीं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय टीम घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप में खतरनाक साबित होगी। धोनी ने खेल प्रसारक जतिन सप्रू के साथ एक साक्षात्कार में भारतीय क्रिकेट पर अपने विचार व्यक्त किए। बातचीत के दौरान जब रोहित (38 वर्ष) और कोहली (37 वर्ष) के 2027 वनडे विश्व कप खेलने की संभावना को लेकर बात हुई तो धोनी ने पहले चुटकी लेते हुए कहा, 'माफ़ कीजिए, सवाल क्या है।' लेकिन धोनी ने तुरंत ही गंभीर लहजा अपनाते हुए पूछा, 'क्यों नहीं। किसी को विश्व कप क्यों नहीं खेलना चाहिए। मेरे लिए उम्र कोई मापदंड नहीं है। मेरे लिए प्रदर्शन और फिटनेस ही मापदंड हैं। मेरा मानना है कि किसी को कुछ भी बताने की जरूरत नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि सबके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा।' उन्होंने कहा, ''जब मैंने पदार्पण किया तब मैं 24 साल का था।

14 फरवरी को आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन

आइजोल। दूसरी आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन (एआईएचएम) 14 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मिजोरम के खेल मंत्री लालनघिंगलोवा हमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हाफ मैराथन में देश भर के प्रमुख खिलाड़ी भाग लेंगे। इस दौड़ की शुरुआत राजीव गांधी स्टेडियम से होगी और इसका समापन भी वहीं पर होगा। पहली आइजोल अंतरराष्ट्रीय हाफ मैराथन का आयोजन पिछले साल अप्रैल में किया गया था, जिसमें देश भर से 1,500 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। हमार ने कहा, 'आइजोल के पास सैरांग तक रेलवे नेटवर्क के विस्तार के बाद हम देश भर से एथलीटों और दर्शकों की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी की उम्मीद कर रहे हैं।'

अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया, भारत अब फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा

अंडर-19 विश्व कप: आरोन जॉर्ज का शतक, भारत फाइनल में पहुंचा

भाषा ▸▸| हरारे

भारत ने आरोन जॉर्ज (115 रन) के शानदार शतक के साथ आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और आयुष म्हात्रे (62 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से बुधवार को यहां अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। यह अंडर-19 टूर्नामेंट में भारत का 10वां फाइनल होगा। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (101) के शतकों की मदद से 310 रन बनाए। लेकिन भारत ने यह लक्ष्य 41.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह अंडर-19 विश्व कप में भारत ने अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आरोन (104 गेंद, 15 चौके, दो छक्के) ने बेहतरीन शॉट्स की मदद से शतक जड़ा। उन्हें सूर्यवंशी (33 गेंद, नौ चौके, चार छक्के) और म्हात्रे (59 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) का पूरा साथ मिला जिससे भारत का रन-रेट पूरे समय सात से ऊपर ही रहा। सूर्यवंशी ने अपने चिर परिचित अंदाज में बाउंड्री की झड़ी लगाकर पारी को शानदार शुरुआत दी जिसमें ऑफ-स्पिनर वाहिदुल्लाह जादरान के खिलाफ उन्होंने कई बेहतरीन शॉट्स लगाए। इसमें किस्मत ने भी उनका साथ दिया क्योंकि नियाजाई ने अब्दुल अजीज की गेंद पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया, तब वह 22 रन पर थे।

■ आरोन ने 115 रन की शानदार पारी खेली जिसमें उन्होंने 15 चौके, दो छक्के लगाए

लेकिन इसके बावजूद सूर्यवंशी ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गेंदबाज नूरिस्तानी उमरजई की गेंद पर एक शानदार हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का भी लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी पारी में बार बार पुल शॉट खेलने की कोशिश की जो आखिरकार उनके आउट होने का कारण बना। उमरजई की गेंद पर वह सर्कल के अंदर उस्मान सादात के हाथों कैच आउट हुए। इस तरह पहले विकेट की साझेदारी 93 रन पर खत्म हुई। लेकिन आरोन ने फिर म्हात्रे के साथ मिलकर 102 गेंद में 114 रन की साझेदारी की और 27वें ओवर में भारत को 200 के पार पहुंचाया। म्हात्रे इस टूर्नामेंट में अपनी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उन्होंने सही समय पर अर्धशतक जड़ा। एक बार फिर आरोन ने 'एंकर' की भूमिका बखूबी निभाई जबकि म्हात्रे ने टीम को जरूरी रन रेट से आगे रखने के लिए जोखिम भरे शॉट खेले। म्हात्रे के आउट होने के बावजूद आरोन ने सहजता से बल्लेबाजी करना जारी रखा। उन्होंने एक भी शॉट आक्रामक होते हुए नहीं लगाया।

आरोन और विहान ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े

आरोन और विहान मल्होत्रा ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े जिससे भारत आसानी से जीत की ओर बढ़ रहा था। हालांकि आरोन टीम को जीतते हुए देखने के लिए क्रीज पर नहीं टिक सके और 40वें ओवर में जादरान का शिकार हुए। पर तब जीत के लिए केवल 11 रन चाहिए थे। इससे पहले शिनोजादा और नियाजई के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। शिनोजादा 93 गेंद में 110 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि नियाजई ने 86 गेंद में नाबाद 101 रन की पारी खेली। भारतीय गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट झटकने में संघर्ष करते दिखे। उस्मान सादत और खालिद अहमदजई की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए 53 रन जोड़े। तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने 13वें ओवर में पहला विकेट लिया। देवेंद्रन की लेंथ गेंद अहमदजई के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू के हाथों में चली गई। उन्होंने 39 गेंद में 31 रन बनाए। इसके बाद शिनोजादा ने सादत के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 रन जोड़े जिससे अफगानिस्तान बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहा था। हालांकि स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर कनिष्क चौहान ने 25वें ओवर की शुरुआत में भारत के लिए दूसरा विकेट लिया। उनकी गेंद पर सादत लांग-ऑफ पर कैच आउट हुए। सादत ने 70 गेंद खेलकर 39 रन बनाए।

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष और महिला टीम जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में

किंगदाओ (चीन) (भाषा)। भारतीय पुरुष टीम ने सिंगापुर की कड़ी चुनौती से उबरते हुए जीत हासिल की, जबकि महिला टीम ने अपने शुरुआती ग्रुप चरण मैच में म्यांमार पर दबदबा बनाते हुए बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। भारत और सिंगापुर के बीच पुरुषों के ग्रुप सी का मुकाबला काफी रोमांचक रहा जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने जिया वेई जोएल कोह के खिलाफ तीसरे पुरुष एकल में शानदार प्रदर्शन किया।

श्रीकांत ने 21-15, 21-16 से जीत हासिल की जिससे भारतीय पुरुष टीम ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की और अंतिम आठ में जगह पक्की कर ली क्योंकि सिंगापुर पहले ही जापान से अपना ग्रुप मैच 1-4 से हार गया था। भारत के लिए मुकाबले की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई क्योंकि लक्ष्य सेन को पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू ने 21-16, 19-21, 21-16 से हरा दिया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एंग कीट वेस्ले कोह और जुंसुके कुबो को 21-10, 21-8 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई। आयुष शेट्टी ने जिया हेंग जेसन तेह को 21-17, 21-15 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। पृथ्वी रॉय और के साई प्रतीक की दूसरी युगल जोड़ी को पहला गेम जीतने के बावजूद एनजे जू जी और डोनोवन विलैंड वी के खिलाफ 21-8, 21-23, 20-22 से शिकस्त झेलनी पड़ी जिससे मुकाबला 2-2 से बराबर हो गया। इसका मतलब था कि श्रीकांत को कोह को हराने का रास्ता खोजना था और इस अनुभवी खिलाड़ी ने यह काम शानदार तरीके से किया।

भारतीय महिला टीम ने म्यांमार को हराया

महिलाओं के मैच में गत चैंपियन भारत को म्यांमार के खिलाफ कोई खास मेहनत नहीं करनी पड़ी जिसमें विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने थेट हतार थुजार को 21-13, 21-16 से हराकर खाता खोला और फिर टीम ने बाकी बचे दो एकल और दोनों युगल मैच जीत लिए। भारत अब बृहस्पतिवार को दूसरे ग्रुप मैच में थाईलैंड से भिड़ेगा जिससे ग्रुप विजेता का फैसला होगा।

भारतीय मुक्केबाजों की दमदार शुरुआत हितेश गुलिया और प्रीति ने जीते मुकाबले

एजेंसी ▸▸| लानुसिया

हितेश गुलिया (70 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) की शानदार जीत की बदौलत भारत ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। हितेश ने 70 किग्रा भार वर्ग के एलीट पुरुष वर्ग में अपना दबदबा कायम रखते हुए नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 के अंतर से हराया।

इससे पहले प्रीति ने महिलाओं के एलीट 54 किग्रा में कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की थी। भारत की अन्य महिला खिलाड़ियों में प्राची (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और काजल (65 किग्रा) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बनाई। प्राची और प्रिया ने क्रमशः स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो पर 5-0 की एक समान जीत दर्ज की, जबकि काजल ने कजाकिस्तान के असीम तनातार को 4-1 से हराया।

सचिन ने स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से दी मात

पुरुषों के वर्ग में भारत के सचिन (60 किग्रा) ने स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन (60 किग्रा) ने डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से हराया। अभिनाश जमवाल (65 किग्रा) ने डेनमार्क के कालिद उस्मान पर 5-0 की शानदार जीत के साथ प्रभावित किया। दीपक (70 किग्रा) ने बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4-1 से हराया। आकाश (75 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) ने भी 4-1 से जीत हासिल करके अगले दौर में प्रवेश किया, लेकिन आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा) इंग्लैंड के जो टर्नर से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

भारत ने भूटान को हराया, फाइनल में प्रवेश

पोखरा। भारत की अंडर-17 महिला टीम ने सैफ अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के अपने अंतिम राउंड-रॉबिन मैच में भूटान को 8-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना बांग्लादेश से होगा। भारत के लिए पर्ल फर्नांडिस (16, 39, 41वें मिनट) ने पहले हाफ में हैट्रिक लगाई जबकि प्रीतिका बर्मन (25, 90वें मिनट) ने भारत के लिए दोनों हाफ में एक-एक गोल किया। अलीशा लिंगदोह (छठे), अभिस्ता बसनेट (10वें), और दिव्यानी लिंडा (17वें) ने एक-एक गोल किया। वहीं बांग्लादेश ने दिन के दूसरे मैच में मेजबान नेपाल को 4-0 से हराया। भारत तालिका में तीन मैच में छह अंक के साथ बांग्लादेश से तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहा। मेजबान टीम तीन अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही जबकि भूटान बिना किसी अंक के सबसे नीचे रहा। तालिका में शीर्ष दो टीम भारत और बांग्लादेश अब शनिवार को फाइनल में आमने-सामने होंगी।

टी20: इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया सीरीज की 3-0 से क्लीन स्वीप

एजेंसी ▸▸| पल्लीकल

इंग्लैंड ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 12 रन से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया और इस तरह से 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी शानदार तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया।

इंग्लैंड ने इस कम स्कोर वाले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 128 रन बनाए। श्रीलंका की टीम इसके जवाब में 19.3 ओवर में 116 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड की जीत के नायक बाएं हाथ के स्पिनर जैकब बेथेल रहे, जिन्होंने 11 रन देकर 4 विकेट लिए। इससे पहले सैम कुरेन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 58 रन की पारी खेली जबकि जोस बटलर ने 25 रन का योगदान दिया। श्रीलंका की तरफ से तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा ने भी श्रृंखला के अपने पहले मैच में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 24 रन देकर 5 विकेट लिए।

टीम के प्रदर्शन से निराश : शनाका

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा, 'टीम के इस प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं। हम 3-0 से हार गए। कप्तान होने के नाते मुझे विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कुछ कमियों को दूर करना होगा। हम इसके लिए उत्सुक हैं और हम कुछ खास प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं।'

श्रृंखला में हमारा प्रदर्शन शानदार : ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा, 'इस श्रृंखला में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। ऐसी जीत का हिस्सा बनना बहुत अच्छा लगा। हमने दिखा दिया है कि हम अलग-अलग तरह की परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। विश्व कप पास में है और उम्मीद है कि उसमें यहां के अनुभव का हमें फायदा मिलेगा।' श्रीलंका को 17 गेंदों में 17 रन चाहिए थे, लेकिन बेथेल ने 18वें ओवर में तीन विकेट लेकर निचले क्रम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद उन्होंने महेश थीक्षना को शॉर्ट थर्ड मैन पर कैच आउट कराकर श्रीलंका की पारी का अंत किया।

विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

एशियाई चैंपियनशिप में भारत का दबदबा, जीते दो स्वर्ण

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

ओलंपियन ईशा सिंह ने पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए बुधवार को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) के पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और भारत को टीम वर्ग में भी पीला तमगा दिलाने में मदद की, लेकिन विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

इक्कीस वर्षीय ईशा ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल किए। उन्होंने चीनी ताइपे की दो निशानेबाजों चेंग येन चिंग (235.4, रजत) और यू ऐ वेन (217.7, कांस्य) के अलावा हमवतन सुरुचि सिंह की कड़ी चुनौती से पार पाकर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता।

सम्राट नहीं कर पाए अपेक्षित प्रदर्शन

इससे पहले विश्व चैंपियन सम्राट पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले साल काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सम्राट ने क्वालीफाइंग राउंड में 581 का स्कोर बनाकर दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई और लग रहा था कि वह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में सफल रहेंगे। लेकिन फाइनल में यह 21 वर्षीय खिलाड़ी 220.3 का स्कोर बनाकर उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव (242.0) और कजाकिस्तान के वैलेरी रखिमजान (241.0) से पीछे तीसरे स्थान पर रहा। आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी श्रवण कुमार चौथे स्थान पर रहे।

क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि दूसरे स्थान पर : *क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि 576 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि मनु और ईशा दोनों का स्कोर 575 रहा। इन तीनों ने फाइनल में जगह बनाई। सुरुचि (576), मनु (575) और ईशा (575) की तिकड़ी ने कुल 1726 अंकों के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जो क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाले वियतनाम (1713) और चीनी ताइपे (1711) से काफी अधिक था।*

ईशा ने 19 वर्ष की आयु में जीता था पहला खिताब

ईशा ने निशानेबाज ने पिछले साल चीन के निंगबो में आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2024 में 19 वर्ष की आयु में जकार्ता में अपना पहला महाद्वीपीय खिताब जीता था। पहले 10 शॉट के चरण के बाद फाइनल में बढ़त बनाने वाली 19 वर्षीय सुरुचि एलिमिनेशन राउंड में पिछड़ गईं और चौथे स्थान पर रहीं, जबकि पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने और आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। ईशा ने संयम बनाए रखते हुए 10.4 और उससे अधिक के तीन स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक के लिए अपना दावा मजबूत किया जबकि इस बीच चीनी ताइपे की दोनों निशानेबाज पिछड़ गईं।

भारत ने अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हराया

नवी मुंबई (भाषा)। इशान किशन की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 30 रन से हरा दिया। भारत के 241 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 45), रियान रिकेल्टन (44), एडेन मारक्रम (38), जेसन स्मिथ (35) और मार्को यानसेन (31) की पारियों के बावजूद सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। इशान ने इससे पहले 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक शर्मा (24) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने पांच विकेट पर 240 रन बनाए। चोट के बाद वापसी कर रहे तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में तीन छक्कों और इतने ही चौकों से 45 रन की पारी खेली। अक्षर पटेल (नाबाद 35), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) और हार्दिक पंड्या (30) ने भी उपयोगी योगदान दिया। उम्मीद है कि इशान सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले टी20 विश्व कप मैच में अभिषेक के साथ पारी का आगाज करेंगे।

■ इशान ने इससे पहले 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेली

कई क्षेत्रों में बढ़ाएंगे द्विपक्षीय सहयोग

यह पीएम मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान वे पीएम अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे

पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा को मलेशिया की यात्रा पर जाएंगे, सीईओ फोरम में लेंगे भाग

नई दिल्ली

पीएम मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह मलेशिया के पीएम के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत करेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार पीएम मोदी को मलेशिया के पीएम दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने आमंत्रित किया है।

यह पीएम मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान वे पीएम अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। पीएम भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। पीएम की यात्रा के साथ ही 10वां भारत-मलेशिया सीईओ फोरम भी आयोजित किया जाएगा।

मलेशियाई पीएम दातो सेरी अनवर इब्राहिम और पीएम नरेंद्र मोदी — फाइल फोटो

सहयोग वाले क्षेत्रों पर होगी समीक्षा

पीएम की आगामी यात्रा दोनों नेताओं के लिए व्यापार और निवेश, रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग से लेकर डिजिटल और वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन के संपूर्ण दायरे की समीक्षा होगी।

मलेशिया में 29 लाख प्रवासी भारतीय

भारत और मलेशिया ऐतिहासिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता साझा करते हैं। मलेशिया में 29 लाख की आबादी वाला भारतीय समुदाय दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा भारतीय प्रवासी समुदाय है और मलेशिया के लिए पर्यटन का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत है। भारतीय प्रवासी समुदाय की उपस्थिति से यह संबंध और भी मजबूत होता है। मलेशिया आसियान में तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है और साथ ही भारत, मलेशिया के 10 सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है। मलेशिया भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है और इस क्षेत्र में एक मूल्यवान साझेदार है।

सऊदी अरब पहुंचे एनएसए अजीत डोभाल

विदेश राज्य मंत्री के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर की चर्चा

भारत राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सऊदी अरब के दौरे पर हैं। डोभाल की यह यात्रा पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते भू-राजनीतिक हालात के बीच हो रही है। डोभाल ने बुधवार को सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री, कैबिनेट सदस्य और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, डॉ. मुसैद बिन मोहम्मद अल-ऐबन के साथ मुलाकात की। मुलाकात के दौरान डोभाल ने डॉ. मुसाएद बिन मोहम्मद अल-ऐबन के साथ मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और आपसी हित के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

अजीत डोभाल और डॉ. मुसैद बिन मोहम्मद अल-ऐबन

क्षेत्रीय और आपसी हितों पर की बात

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में रियाद में भारतीय दूतावास ने कहा कि दोनों के बीच हुई बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय मुद्दे और आपसी हित के अन्य विषय शामिल थे। बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के साथ-साथ क्षेत्रीय और आपसी हित के अन्य मुद्दे भी शामिल थे।

सऊदी अरब-भारत के रणनीतिक संबंध

बता दें, डोभाल मंगलवार को एक आधिकारिक दौरे पर रियाद पहुंचे। रियाद एयरपोर्ट पर उनका स्वागत सऊदी अरब में भारत के राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान और सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप मंत्री राजदूत डॉ. सऊद अल-साती ने किया। उनका यह दौरा 28 जनवरी को सऊदी अरब द्वारा पहलगाम आतंकी हमले और लाल किले की आतंकी घटना की निंदा करने के कुछ ही समय बाद हुआ है। स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप काउंसिल की पॉलिटिकल, काउंसलर और सिक्योरिटी को-ऑपरेशन कमेटी के तहत भारत-सऊदी अरब सिक्योरिटी वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक में, दोनों पक्षों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की।

खबर संक्षेप

एलन मस्क बने दुनिया के सबसे अमीर आदमी

नई दिल्ली। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने इतिहास रच दिया है। एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स द्वारा उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सोशल मीडिया फर्म एक्सएआई को खरीदने के बाद मस्क की दौलत में गजब का उछाल आया है। उनकी नेट वर्थ अब 800 बिलियन डॉलर (72,37,400 करोड़) के पार चली गई और वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं।

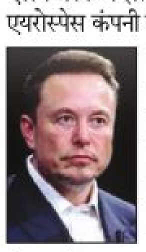

इजराइली गोलीबारी में 19 फिलीस्तीन की मौत

गाजा पट्टी। गाजा पट्टी में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 19 फिलीस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की बताई गई है। अस्पताल अधिकारियों ने मौतों की पुष्टि की है। इजराइल की ओर से कहा गया है कि कार्रवाई उसके सैनिकों पर मिलिटेंट गोलीबारी के जवाब में की गई। सैनिकों पर पहले उग्रवादियों ने गोलीबारी की।

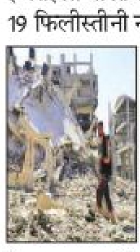

ग्रीस में जहाज से टकराई नौका, 14 की मौत

चियोस। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने मंगलवार को बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे।

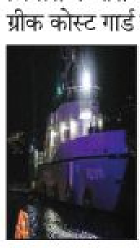

टर्किश एयरलाइंस की कोलकाता में आपात लैंडिंग

कोलकाता। टर्किश एयरलाइंस की काठमांडू से इस्तांबुल जाने वाली फ्लाइट के दाहिने इंजन में आग लगने की आशंका के बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। दोपहर करीब 2:49 बजे कोलकाता हवाई अड्डे पर हुई इस इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी 236 यात्री सुरक्षित हैं। विमान की जांच की जा रही है। विमान के कैप्टन ने कोलकाता एटीसी को इसकी जानकारी दी।

नाइजीरिया के दो गांवों पर हमला, 162 की मौत

नई दिल्ली। आईएसआईएस से जुड़े आतंकी संगठन ने पश्चिमी नाइजीरिया में दो गांवों पर हमला कर कम से कम 162 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस हमले की जानकारी क्षेत्र के सांसद मोहम्मद ओमर बायो ने दी है। यह हमला मंगलवार शाम क्वारा राज्य के वोरों और नुकू नाम के गांवों में हुआ। हमलावरों ने गांवों में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की।

ट्रेड डील पर ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का बड़ा बयान

रूस से बंद कर अमेरिका-वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, बड़े निवेश का भी किया वादा

कैरोलिन लेविट ने कहा कि भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को मिलेगा

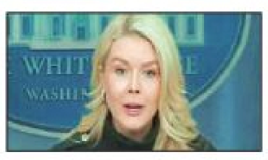

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच नए व्यापारिक युग की शुरुआत हो चुकी है। सोमवार (02 फरवरी) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया पारस्परिक टैरिफ 18 फीसदी कर दिया। इसी के साथ लंबे समय से अटके व्यापार समझौते पर भी ट्रंप ने सहमति जताई है। ऐसे में अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते पर जानकारी साझा की है। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश का वादा किया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को अमेरिका-भारत समझौते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों का जिक्र किया। लेविट ने दावा किया कि पीएम मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए।

ट्रंप और मोदी के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध

पीएम मोदी व राष्ट्रपति ट्रंप — फाइल फोटो

यह एक शानदार समझौता

वॉशिंगटन में मीडिया से बात करते हुए कैरोलिन लेविट ने कहा कि भारत ने न सिर्फ रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है, बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने की भी प्रतिबद्धता जताई है, और संभवतः वेनेजुएला से भी, जिसका सीधा लाभ अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को मिलेगा। पीएम मोदी ने ऊर्जा, परिवहन और कृषि उत्पादों सहित अमेरिका में 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख अरब रुपए) के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह एक और शानदार व्यापार समझौता है।

यूएसआईबीसी अध्यक्ष बोले

समझौता निर्णायक कदम, कारोबारी जगत में सकारात्मक माहौल

अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) के अध्यक्ष अतुल केशप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'बेहद अहम' करार देते हुए कहा है कि यह दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नया आकार दे सकता है। यह दोनों देशों के बीच रिश्तों की गति के लिए बेहद अच्छा और सकारात्मक है। साथ ही यह दोनों पक्षों के कारोबारियों और निवेशकों के लिए भी काफी फायदेमंद साबित होगा। इस व्यापार समझौते की घोषणा के बाद अमेरिकी कारोबारी जगत में माहौल काफी सकारात्मक है। केशप ने कहा कि इस समझौते पर लगभग एक साल तक बातचीत चली, जिसकी शुरुआत फरवरी 2025 में पीएम नरेंद्र मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के बाद हुई थी।

टैरिफ की धमकी से झुका मेक्सिको

हर साल तय मात्रा में देगा अमेरिका को पानी

मेक्सिको और अमेरिका के बीच पानी को लेकर एक अहम समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत मेक्सिको अब हर साल अमेरिका को तय मात्रा में पानी देगा, ताकि भविष्य में कोई अनिश्चितता न रहे। बता दें कि, इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर मेक्सिको ने ज्यादा और समय पर पानी नहीं दिया, तो वह मैक्सिको से आने वाले सामान पर 5 फीसदी तक टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ा सकते हैं। नए समझौते के अनुसार, मेक्सिको मौजूदा पांच साल के चक्र में हर साल कम से कम 3.5 लाख एकड़-फुट पानी अमेरिका को देगा।

दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध

कैरोलिन लेविट ने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद की गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया। उन्होंने पीएम मोदी से सीधे बात की है, दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। लेविट ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नकदी की आपूर्ति कर रहे हैं। राष्ट्रपति के टैरिफ कारगर साबित हो रहे हैं और उनका आर्थिक एजेंडा भी काम कर रहा है।

अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे

लेविट ने कहा कि टैरिफ लगाने के साथ-साथ अमेरिका में विनिर्माण और निवेश को बढ़ावा देने से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। राष्ट्रपति ने दुनिया भर के देशों और कंपनियों से अमेरिका में निवेश लाने में अहम भूमिका निभाई है। पिछले कुछ महीनों में हमने निर्माण क्षेत्र में रोजगार में भारी वृद्धि देखी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये कारखाने यहीं अमेरिका में बनाए जा रहे हैं और हम अमेरिकियों को रोजगार दे रहे हैं।

जयशंकर की यूएस विदेश मंत्री से मुलाकात

साझा हितों को बढ़ाने दोनों देशों के बीच जल्द होंगी कई 'बैठकें'

वॉशिंगटन में डॉ. एस. जयशंकर और मार्को रूबियो के बीच मुलाकात

⏭ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर इन दिनों अमेरिकी दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के साथ अलग-अलग बैठकें कीं, जिसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर व्यापक चर्चा हुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मार्को रूबियो से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज दोपहर अमेरिकी सीनेटर रूबियो से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी द्विपक्षीय सहयोग एजेंडा व क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के जिन पहलुओं पर चर्चा हुई, उनमें व्यापार, ऊर्जा, परमाणु, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और टेक्नोलॉजी शामिल थे। अपने साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न मैकेनिज्म की जल्द बैठकों पर सहमति बनी। विदेश विभाग के एक बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, खनन और प्रसंस्करण पर द्विपक्षीय सहयोग को औपचारिक रूप देने पर चर्चा की। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो भारत-अमेरिका आर्थिक और रणनीतिक संबंधों का एक केंद्रीय स्तंभ बनकर उभरा है।

हालिया समझौते का किया स्वागत

यह बैठक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच बाधाओं को कम करने और बाजार पहुंच का विस्तार करने के उद्देश्य से एक व्यापार समझौते की घोषणा के एक दिन बाद हुई। बयान में कहा गया है कि सेक्रेटरी रूबियो और मंत्री जयशंकर ने समझौते का स्वागत किया।

वित्त मंत्री से मिले

इससे पहले, एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट से भी मुलाकात की। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में स्कॉट बेसेंट के साथ मुलाकात की तस्वीर शेयर की। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि वाशिंगटन में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट से मिलकर खुशी हुई। भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर उपयोगी चर्चा हुई।

सेना को मिली बड़ी कामयाबी

जैश के टॉप कमांडर मावी सहित दो पाकिस्तानी आतंकी ढेर, सर्च जारी

एजेंसी ⏭ उधमपुर

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से बिस्फोट कर उड़ा दिया। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था, जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया भी मारा गया। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, रामनगर, बसंतगढ़ और बिलावर के जंगलों में अभी भी आतंकियों की मौजूदगी की आशंका है, और इलाके पर निगरानी जारी है। किश्तवाड़ के ही चतरू इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर हुआ। इसमें भी एक आतंकी को सेना ने मार गिराया।

आतंकी अबू माविया

रक्षा मंत्री आसिफ का कबूलनामा

बलूच लड़ाकों के खिलाफ लड़ने में सक्षम नहीं है पाकिस्तान की सेना

एजेंसी ⏭ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के खिलाफ सैन्य कार्रवाई कर रही है। पाकिस्तान का दावा है कि आर्मी एक्शन में कम से कम 177 बलूच विद्रोहियों को मारा गया है। हालांकि बलूच राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता हकीम बलूच ने इस्लामाबाद के दावे को खारिज किया है। इस बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस बात को स्वीकार किया कि बीएलए की ताकत बहुत ज्यादा है। उन्होंने कबूल किया कि हमारे सैनिक वहां तैनात हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन इतने बड़े क्षेत्र की सुरक्षा और गश्त करने में वे शारीरिक रूप से असमर्थ हैं। उन्होंने स्वीकारा कि बलूच लड़ाके सेना से ज्यादा ताकतवर है। ख्वाजा ने कहा कि उनके पास ऐसे राइफल्स, नाइट विजन डिवाइसेज भी हैं।

श्रीलंका पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष

नई दिल्ली। भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेष इंडियन एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट सी-130जे से एक ऐतिहासिक प्रदर्शनी के लिए बुधवार को नई दिल्ली से श्रीलंका के लिए रवाना हो गए हैं। पवित्र अवशेष को कोलंबो के गंगारामया मंदिर में रखा जाएगा। इससे पहले कोलंबो में भारतीय हाई कमीशन ने बताया कि पवित्र अवशेषों को 4 से 11 फरवरी तक कोलंबो के गंगारामया मंदिर में रखा जाएगा, और 5 फरवरी से सार्वजनिक पूजा शुरू होगी। 11 फरवरी 2026 को पवित्र अवशेष वापस लाया जाएगा।

चीन बढ़ा रहा नौसैनिक क्षमता, 32 देशों में बनाए अड्डे

अफ्रीका महाद्वीप में बीजिंग ने की 'घेराबंदी', पोर्ट को चला रहीं कंपनियां

एजेंसी ⏭ बीजिंग

चीन अपनी नौसैनिक क्षमता का तेजी से बढ़ा रहा है। इसके लिए उसने अफ्रीका महाद्वीप को एक सैन्य अड्डे के रूप में चुना है। चीन ने अफ्रीका के 32 देशों में अपने युद्धपोतों के लिए बंदरगाहों का नेटवर्क तैयार किया है। इनमें से कई बंदरगाह चीनी सरकारी कंपनियां चला रही हैं। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन ने पिछले एक दशक में पूरे अफ्रीका महाद्वीप में बंदरगाहों का कैसा जाल बिछा लिया है।

इसमें नाइजीरिया के लेक्की से लेकर केन्या के मोम्बासा तक शामिल हैं। इससे हिंद महासागर में भारत की भी टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि चीन रिंग ऑफ पर्ल के जरिए पहले ही जाल बिछा चुका है। ऐसे में चीन की नजर अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व को चुनौती देने पर है।

नाइजीरिया से लेकर केन्या तब बनाए बंदरगाह

सारे बंदरगाह चीन की सरकारी कंपनियों के पास

हिंद महासागर में चीन के जलपोत

चीन की सरकारी कंपनियां चला रहीं बंदरगाह

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अफ्रीका महाद्वीप में चीनी पैसों से बने बंदरगाहों को बीजिंग की सरकारी कंपनियां चलाती हैं। इन बंदरगाहों को न केवल व्यापार, बल्कि युद्धपोतों को ठहराने के लिए भी डिजाइन किया गया है। कई सैन्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन इस विस्तार से नौसैनिक अड्डों का एक नेटवर्क बना रहा है, जो स्वेज नहर जैसे प्रमुख समुद्री मार्गों के पास युद्धपोतों को तैनात करने और वैश्विक नौवहन को रोकने में काम आ सकता है।

महत्वपूर्ण खनिज भी मिल रहे

अफ्रीका में बने ये बंदरगाह चीन को तांबा और कोबाल्ट जैसी महत्वपूर्ण सामग्री तक पहुंच भी प्रदान करते हैं, जो लड़ाकू विमानों से लेकर स्मार्टफोन तक हर आधुनिक तकनीक के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका में बने कई बंदरगाह चीन निर्मित रेल और सड़क परियोजनाओं के माध्यम से खदानों से जुड़े हैं। ये चीन के दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के बाजार में वर्चस्व का समर्थन करते हैं और अमेरिका के खिलाफ एक खास ताकत प्रदान करते हैं। रिपोर्ट में विश्लेषकों के हवाले से बताया गया है कि इन बंदरगाहों के माध्यम से चीन इससे गुजरने वाले सामान और संवेदनशील कार्गो की निगरानी कर सकता है।

किसानों को सेब के बाग खोने का था डर

कश्मीर में तीन रेलवे प्रोजेक्ट्स पर केंद्र सरकार ने तुरंत लगाई 'रोक'

एजेंसी ⏭ श्रीनगर

केंद्र सरकार ने कश्मीर में तीन प्रस्तावित रेलवे प्रोजेक्ट्स पर रोक लगा दी है। सरकार ने यह फैसला सेब के बागों को बचाने के लिए लिया है। रेलवे के प्रस्तावित लाइनों से सेब के बाग प्रभावित हो सकते थे। सरकार का यह फैसला स्थानीय किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे प्रोजेक्ट्स को रोकने का फैसला जम्मू-कश्मीर सरकार और राज्य के सांसदों की सिफारिश के बाद लिया गया है, ताकि बागों को नुकसान होने से बचाया जा सके। जम्मू-कश्मीर सरकार और राज्य के सांसदों ने इन रेल लाइनों के निर्माण के खिलाफ सिफारिश की थी। इसलिए हमने इन तीनों प्रोजेक्ट्स को रोक दिया है। रेलवे ने काकपोरा से पुलवामा और शोपियां के बीच एक प्रस्तावित रेलवे लाइन के निर्माण के लिए जमीन का सर्वे और सीमांकन किया था। किसानों ने इस फैसले का स्वागत किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com